राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 11 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-315 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बर्फबारी का दिखने लगा असर, कई राज्यों में ठंड बढ़ने के साथ चलने लगी शीतलहर

-तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक में तेज आंधी के साथ बारिश की संभावना

नई दिल्ली।

हिमालय के ऊपरी इलाकों में हुई बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों तक पहुंच गया है। जम्मू कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में पिछले चार दिन से हो रही बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है। मंगलवार को बर्फीली हवाओं के असर से सौराष्ट्र, कच्छ, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान, यूपी, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड में शीतलहर चल रही है। वहीं हिमाचल प्रदेश, यूपी, बिहार, झारखंड, बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में घना कोहरा छाया हुआ है। सोमवार को श्रीनगर में इस मौसम का सबसे कम तापमान -5.4एदर्ज किया गया, जबकि सोनमर्ग -9.7एके साथ सबसे ठंडा रहा। गुलमर्ग में पारा -9.0ए सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तराखंड के केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में सोमवार को बर्फबारी हुई। इसके बाद राज्य सकरार ने दोनों जगह चल रहे विकास कार्य रोक दिए। दक्षिण भारत में एक बार फिर बारिश का अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक में मंगलवार को तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। दिल्ली में हवा की क्वालिटी अब भी खराब, धुंध से विजिबिलिटी घटी राजधानी में हवा की गुणवत्ता मंगलवार को खराब कैटेगरी में रही। हालांकि शहर के कुछ हिस्सों में धुंध की पतली परत छा गई है, जिससे विजिबिलिटी कम हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक सुबह आठ बजे एक्युआई 224 रहा। सुप्रीम कोर्ट ने हवा में सुधार के बाद ग्रैप-4 हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन ग्रैप-2 और ग्रैप-1 पूरे एनसीआर में लागू है।

रोहिंग्या को वापस भेजे केंद्र, अगर संभव नहीं तो हम उन्हें मरने के लिए नहीं छोड़ सकते

-जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने इस मुद्दे को मानवीय संकट बताया

जम्मू। जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने रोहंगिया, बांग्लादेशी शरणार्थियों के मुद्दे को मानवीय संकट बताया है। रोहिंग्या, बांग्लादेशी को लेकर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार को इस मामले में स्पष्ट नीति अपनानी चाहिए। अगर केंद्र सरकार रोहिंग्या बांग्लादेशी शरणार्थियों को वापस भेज सकते हैं तो वापस भेज दें, लेकिन अगर यह संभव नहीं है तो हम उन्हें भूख और ठंड से मरने के लिए नहीं छोड़ सकते। यह मानवता और इंसानियत है। यह बातें उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को चैंबर आफ कामर्स इंडस्ट्रीज के एक समारोह में कही। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा न हम रोहिंग्या शरणार्थियों को लाए हैं और न ही हमने बसाया है, लेकिन यह भी इंसान है न की कोई जानवर। इंसानियत के नाते रोहिंग्या, बांग्लादेशी को न भूखे और न ही ठंड से मरने दे सकते हैं, क्योंकि इस समय जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में सर्दी का मौसम है। उमर ने कहा कि भारत जैसे देश के लिए अपनी परंपराओं और जिम्मेदारियों के मुताबिक इन शरणार्थियों का ख्याल रखना जरूरी है।

अमेरिका वैश्विक शांति का पक्षधर, हिंसा कहीं भी हो चिंताजनक

-अमेरिकी प्रवक्ता मार्गरेट ने रखी बांग्लादेश और भारत की स्थिति पर अपनी राय

नई दिल्ली। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों और राजनीतिक अस्थिरता को लेकर अमेरिका ने चिंता जताई है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की हिंदी-उर्दू प्रवक्ता मागरिट मैक्लाउड ने हिंसा पर अपनी राय रखते हुए कहा कि अमेरिका का मकसद वैश्विक शांति सुनिश्चित करना है। हिंसा कहीं भी हो वह चिंताजनक होती है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की हिंदी-उर्दू प्रवक्ता मागरिट मैक्लाउड मध्य प्रदेश के इंदौर शहर पहुंचीं हैं। इसी बीच उन्होंने एक बातचीत के दौरान कहा कि बांग्लादेश में जो घटनाएं सामने आ रही हैं, वे चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका लोकतांत्रिक प्रक्रिया और मानवाधिकारों के सम्मान की अपेक्षा करता है। जनता द्वारा चुनी गई सरकार के खिलाफ विद्रोह को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस बात पर जोर दे रहा है कि हर व्यक्ति को अपनी धार्मिक आस्था के अनुरूप जीवन जीने का अधिकार मिलना चाहिए। ऐसे में हिंसा कहीं पर भी हो वह चिंताजनक होती है। इस मामले में अमेरिका दोहरा मापदंड नहीं अपनाता है।

नर्सों पर कुवैत में 700 करोड़ रुपये का बैंक फॉड का आरोप, मामला भारत पहुंचा

नई दिल्ली। कुवैत में 700 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी के मामले में केरल से जुड़े 1,425 आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। इनमें से अधिकांश नर्सें हैं, जो गल्फ बैंक से लोन लेकर बिना चुकाए कुवैत छोड़कर भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों में बस गईं हैं। इस मामले में गल्फ बैंक के डिप्टी जनरल मैनेजर मोहम्मद अब्दुल वासे ने केरल पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत होने के बाद अब तक 10 मुख्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है। इनमें से कई आरोपी वर्तमान में केरल में निवासरत हैं। यहां बताते चलें कि गल्फ बैंक ने कुवैत में काम करने वाले लोगों को बिना किसी संपत्ति को गिरवी रखे आसानी से लोन दिया था। यूनाइटेड नर्सेज एसोसिएशन के अध्यक्ष जैसमीन शाह ने बताया कि ज्यादातर नर्सों ने रिक्रूटमेंट खर्च और व्यक्तिगत जरूरतों के लिए लोन लिया था। कोरोना महामारी के दौरान नौकरी जाने और प्रतिबंधों के कारण कई लोग कुवैत लौटने में असमर्थ रहे। कुछ ने विदेश में बेहतर अवसर मिलने पर भारी लोन लेकर कुवैत छोड़ दिया। इस मामले में केरल में बैंक का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील थॉमस जे. अनक्कल्लुमकल का कहना है कि 10 डिफॉल्टर्स की पहचान कर उनके खिलाफ धोखाधड़ी (आईपीसी की धारा 420) और आपराधिक विश्वासघात (धारा 406) के तहत एफआईआर दर्ज करा दी गई है। इनमें कलमस्सेरी के शफीक अली पर 1.25 करोड़ रुपये और वदयामपडी की डेलना थंकाचन पर 93.10 लाख रुपये का लोन बकाया है।

सभी सांसद चाहते हैं चर्चा, राहुल गांधी का संसदीय लोकतंत्र में विश्वास नहीं

-संसदीय कार्य मंत्री ने कहा- हम सदन की कार्यवाही बाधित नहीं करेंगे

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र में मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कोई भी मुद्दे हों, हम सदन की कार्यवाही बाधित नहीं करेंगे। समाजवादी पार्टी, टीएमसी और कांग्रेस समेत कई पार्टियों के सांसद मेरे पास आए थे। रिजिजू के मुताबिक पूरी कांग्रेस पार्टी राज्यसभा में चर्चा करना चाहती है, सिर्फ राहुल गांधी कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेना चाहते हैं। शायद उनका संसदीय लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। सभी सांसद चर्चा चाहते हैं, हर सांसद के लिए उनका संसदीय क्षेत्र मायने रखता है। राहुल के लिए कोई मुद्दा मायने नहीं रखता है। प्रियंका गांधी ने कहा कि हम जो प्रदर्शन कर रहे हैं, वह बाहर कर रहे हैं। हम रोज कोशिश करते हैं, लेकिन सरकार चर्चा करना ही नहीं चाहती है।

एआई और मशीन लर्निंग से स्पैम कॉल्स और फर्जी एसएमएस पर नियंत्रण

-टेलीकॉम सेक्टर की एक बड़ी पहल

नई दिल्ली।

भारत की टेलीकॉम कंपनियां स्पैम कॉल्स और फर्जी एसएमएस की समस्या से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का सहारा ले रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) की मदद से इस दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। एयरटेल, वोडाफोन आइडिया, बीएसएनएल और रिलायंस जियो जैसी कंपनियां इस तकनीक का उपयोग कर ग्राहकों को अधिक सुरक्षित अनुभव देने की कोशिश कर रही हैं। इसके तहत 8 अरब स्पैम कॉल्स और 80 करोड़ एसएमएस की पहचान की गई है। एयरटेल ने पिछले ढाई महीनों में यह आंकड़ा हासिल किया है। रोजाना 10 लाख स्पैमर की पहचान की गई। एयरटेल नेटवर्क पर इस प्रक्रिया के तहत रोजाना नए स्पैमर का पता लगाया गया। एयरटेल नेटवर्क पर कुल कॉल्स का 6फीसदी हिस्सा स्पैम कॉल्स का था, जबकि एमएसमएस का 2फीसदी हिस्सा फर्जी संदेशों का था। 35फीसदी स्पैम कॉल्स लैंडलाइन फोन से की गईं।

अन्य टेलीकॉम कंपनियों की पहल

वोडाफोन आइडिया-

2 दिसंबर 2024 से एआई आधारित तकनीक लागू की है।

बीएसएनएल-

अक्टूबर 2024 से स्पैम कॉल्स पर नियंत्रण के लिए कदम उठा चुकी है।

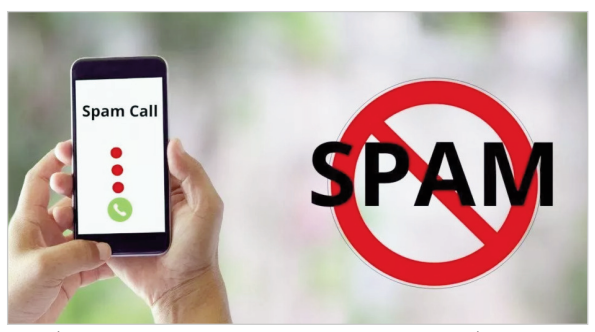

रिलायंस जियो-

स्पैम कॉल्स की समस्या पर काम कर रही है। टेलीकॉम कंपनियों ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि ग्राहक अनजान नंबरों से आने वाली कॉल्स और संदिग्ध एसएमएस से सतर्क रहें। इसके अलावा, यदि कोई स्पैम गतिविधि का सामना होता है, तो तुरंत संबंधित कंपनी को सूचित करें। यह कदम भारत में डिजिटल सुरक्षा और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है। एआई और मशीन लर्निंग तकनीकें इस चुनौती से निपटने में गेमचेंजर साबित हो रही हैं।

विपक्ष के नेताओं का आचरण संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं ओम बिरला

लोकसआ अध्यक्ष ओम बिरला सत्ता पक्ष और विपक्ष पर जमकर बरसे

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को संसद में रोज हो रहे हंगामे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष को जमकर बरसे। उन्होंने बिना नाम लिए राहुल गांधी पर निशाना साधा। बिरला ने कहा कि मुझे अफसोस है कि विपक्ष के नेताओं का आचरण संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष हो सभी दल के लोग संसद की गरिमा, परंपरा और मर्यादा को बनाए रखें। ओम बिरला ने कहा कि संसद एक पवित्र स्थल है। इस भवन की उच्च गरिमा, प्रतिष्ठा और मर्यादा है। बिरला ने कहा कि मर्यादित गरिमा आचरण रखेंगे तो जनता में अच्छा संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के मंदिर के प्रति लोगों की आस्था है। जो भी विषय और मुद्दे हैं आप आकर चर्चा करें। सत्ता पक्ष और विपक्ष आपस में चर्चा करें। बता दें कि राहुल गांधी पिछले दो दिन से संसद भवन परिसर में मोदी-अडानी के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि प्रश्न काल एक अहम समय होता है। उन्होंने कहा कि संसद एक पवित्र स्थल और इसकी प्रतिष्ठा एवं मर्यादा है। उन्होंने कहा कि इस भवन में हमने आजादी हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, संसद में देश की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं को पूरा किया जाता है, सहमति, असहमति हमारे लोकतंत्र की परंपरा है। जो संविधान बनते समय भी हमने अभिव्यक्त किया। बिरला ने बिना नाम लिए कहा कि कुछ विपक्षी नेताओं का आचरण सही नहीं है।

विचारों को लेकर हम एक-दूसरे के विरोधी हैं, लेकिन राष्ट्र पर आंच आए तो हम एक हैं

बांग्लादेश के कट्टरपंथी नेता के बयान पर सीएम ममता बनर्जी ने दी चेतावनी

कोलकाता।

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते इस समय सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं।

इसी बीच वहां की एक कट्टरपंथी पार्टी बीएमपी के नेता ने कहा कि वे लोग भारत के हिस्से वाले पश्चिम बंगाल, बिहार तक को अपना क्षेत्र बना लेंगे।

उनके इस बयान पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भड़क गई और चेतावनी दे डाली। हम भारतीय विचारों के स्तर पर भले ही एक दूसरे का विरोध करते हैं लेकिन जब राष्ट्र की बात आती है तो हम सब एकजुट हैं। दरअसल, ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाषण दे रही थीं।

इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले की निंदा की और सभी समुदायों से शांति बनाए रखने और किसी भी तरह के उकसावे की कार्रवाई नहीं करने की अपील है।

उन्होंने बांग्लादेश की बीएमपी पार्टी के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने बिहार और पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश का हिस्सा बनाने की बात कही थी। ममता ने कहा- जब कोई बाहरी ताकत हमारी जमीन हथियाने की कोशिश करेगी तो क्या भारतीय बैठे रहेंगे और लॉलीपॉप खा रहे होंगे? उन्होंने कहा कि शांत रहिए, स्वस्थ रहिए और दिमाग में शांति बनाए रखिए। उन्होंने बांग्लादेशी सरकार को जवाब देते हुए कहा कि हम जितना जरूरी है उतना सक्रिय और संवेदनशील हैं, लेकिन हम अपनी धैर्य की परीक्षा लेते हैं क्योंकि हमने इसे रवींद्रनाथ टैगोर से सीखा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल पहला राज्य हैं जहां हर समुदाय के लोगों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा के खिलाफ प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम और दूसरे अन्य सभी धर्मों के लोगों की नसों में एक ही खून बहता है। हमें एक हैं और किसी भी बाहरी ताकत के खिलाफ एकसाथ खड़े होते हैं।

सदन में टीशर्ट पहनकर तमाशा क्यों, राहुल गांधी पर भड़के केंद्रीय मंत्री रिजिजू

-मंगलवार को भी संसद की कार्यवाही शुरू होते ही स्थगित

नई दिल्ली।

संसद में अडानी, जॉर्ज सोरोस से सोनिया गांधी के संबंध जैसे मुद्दों को लेकर हंगामा जारी है। सोमवार को राहुल गांधी ने पीएम मोदी और गौतम अडानी के मुखौटा लाए दो सांसदों का मॉक इंटरव्यू भी लिया था, लेकिन अंदर लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा जारी रहा और दोनों सदनों को कई बार स्थगित भी करना पड़ा था।

इस बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर तमाशा करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि ये लोग सदन की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं। आखिर कांग्रेस टीशर्ट पहनकर तमाशा क्यों करती है।

इस बीच मंगलवार को एक बार संसद की कार्यवाही शुरू होते ही स्थगित हो गई। किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी को समझाने की जरूरत है। हमारे पास बिल पास कराने के लिए जरूरी संख्या है। कांग्रेस सदन की गरिमा का ख्याल रखें और चर्चा में हिस्सा लेना चाहिए। वहीं अडानी मामले पर कांग्रेस के प्रदर्शन पर भी रिजिजू ने सवाल उठाए। रिजिजू ने कहा कि अमेरिकी अदालत के मामले को लेकर यहां तमाशा करने से क्या फायदा होगा। राज्यसभा में तो सभी दलों के सांसद चाहते हैं कि सदन चले।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं एक बात साफ कर दूं कि जनता के हित के लिए जो भी बिल लाने होंगे, हम लेकर आएंगे, लेकिन हम चाहते हैं कि बिलों पर चर्चा हो। इसलिए एकतरफा पास नहीं करना चाहते। चर्चा होने से संसद की गरिमा बढ़ेगी। इस बीच सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि हम तो चर्चा चाहते हैं। सरकार ही सदन में परेशानी खड़ी कर रही है और संसद नहीं चलने दे रही है।

बता दें राज्यसभा में भी सोमवार को हंगामा हुआ था और खरगे ने तो सीधे स्पीकर जगदीप धनखड़ पर ही सवाल उठा दिया और कहा कि आप तय करके आए हैं कि विपक्ष को बोलने ही नहीं दिया जाएगा। ऐसा करके आप लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। आपने मंत्री को बोलने दिया, पर हमें मौका नहीं दिया।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के काफिले की गाड़ियां आपस में टकराई, कई घायल

लखनऊ।

राजधानी लखनऊ में मंगलवार सुबह हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला के काफिले के वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। यह हादसा शहीद पथ पर लुलु मॉल के पास तब हुआ जब काफिले की एक गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगा दिए जिससे पीछे चल रहे वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में कई स्टाफ सदस्य घायल हो गए, जबकि राज्यपाल की गाड़ी सुरक्षित रही।

राज्यपाल मंगलवार सुबह 8 बजे फ्लाइट से लखनऊ पहुंचे। आधे घंटे बाद उनका काफिला एयरपोर्ट से राजभवन के लिए रवाना हुआ। शहीद पथ पर लुलु मॉल के पास काफिले के एक वाहन के ब्रेक लगाने से अन्य वाहन असंतुलित होकर एक दूसरे से टकरा गए गए। काफिले में एम्बुलेंस भी शामिल थी। इसमें मौजूद सरोजनीनगर के नर्सिंग अर्दली विभोर के हाथ और पैर में चोटें आईं, जबकि एक डॉक्टर के पैर में चोट आई। सभी घायलों का इलाज चल रहा है।

हादसे की वजह से शहीद पथ पर ट्रैफिक बाधित हो गया और लुलु मॉल, अहिमामऊ समेत आसपास के इलाकों में जाम लग गया। पुलिस ने गाड़ियों को हटाकर ट्रैफिक बहाल किया। पुलिस के मुताबिक हादसा काफिले के वाहनों के अचानक ब्रेक लगाने के कारण हुआ। हादसे के बाद राज्यपाल को राजभवन के लिए रवाना हो गए।

राज्यसभा के सभापति धनखड़ के खिलाफ विपक्ष लाएगा अविश्वास प्रस्ताव

-दिग्विजय ने कहा- मैंने राजनीतिक जीवन में इतना पक्षपाती सभापति नहीं देखा

नई दिल्ली।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। 70 विपक्षी सांसदों ने प्रस्ताव पर दस्तखत कर दिए हैं। इसमें इंडिया गठबंधन में शामिल सपा, टीएमसी और आप पार्टी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि अगस्त में भी राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और विपक्षी नेताओं के बीच टकराव हुआ था। तब विपक्षी पार्टियों ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए जरूरी 20 सांसदों का समर्थन जुटा लिया था। हालांकि बाद में मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। संसद के बाहर कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि मैंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में कभी इतना पक्षपाती सभापति नहीं देखा। वे सत्ता पक्ष के सांसदों को नियम के विपरीत बोलने की छूट देते हैं, जबकि विपक्षी सांसदों को चुप कराते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सनातन संस्कृति की ध्वजा विश्व में फहरा रही गीता प्रेस

(लेखक- हितानंद शर्मा)

- विश्व का सबसे बड़ा प्रकाशन है गीता प्रेस

(गीता जयंती (11 दिसंबर) पर विशेष)

गीता प्रेस का मुख्य उद्देश्य हिंदू धर्म के सिद्धांतों को गीता, रामायण, उपनिषद, पुराणों, प्रख्यात संतों के प्रवचन एवं चरित्र-निर्माण की अन्य पुस्तकें-पत्रिकाएं प्रकाशित कर इन्हें लागत मूल्य से भी कम कीमत में समाज में पहुंचाना है। गीता प्रेस मानव जीवन के उत्थायन और सभी की भलाई के लिए प्रयासरत है। इसका उद्देश्य शांति, आनंद और मानव जाति के अंतिम उत्थान के लिए गीता में प्रतिपादित जीवन जीने की कला को बढ़ावा देना है।

धर्म स्थापना के लिए मानव इतिहास में हुए सबसे भीषण महायुद्ध के बीच भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता का ज्ञान आज भी अमृत रूप में प्रवाहित हो रहा है। श्रीमद्भगवत गीता केवल अर्जुन के लिए नहीं, सनातन समाज के लिए नहीं बल्कि विश्व मानवता के शुभ के लिए ईश्वरीय संदेश है। गीता के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को जान सकता है और ईश्वरीय सत्ता का अनुभव भी कर सकता है। गीता जयंती मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की मोक्षदा एकादशी तिथि को मनाई जाती है। यह वही दिन है जब श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था।

गीता के ईश्वरीय संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य 'गीता प्रेस गोरखपुर' द्वारा पिछले 102 वर्षों से बिना रुके पूरे श्रद्धाभाव से किया जा रहा है। भारत के घर-घर में श्रीमद्भगवत गीता और रामायण की प्रति पहुंचाने का श्रेय गीता प्रेस को ही जाता है। गीता प्रेस अब तक श्रीमद्भगवत गीता की 16 करोड़ 21 लाख प्रतियां प्रकाशित कर श्रद्धालु पाठकों तक पहुंचा चुका है।

अब तक 41 करोड़ 71 लाख पुस्तकें छापकर विश्व का सबसे बड़ा प्रकाशन संस्थान होने के बाद भी आश्चर्य की बात यह है कि गीता प्रेस न तो किसी से चंदा लेता है और न ही अपने प्रकाशनों में विज्ञापन ही स्वीकार करता है। जब वर्ष 2021 में गीता प्रेस को उसके उल्लेखनीय कार्यों के लिए भारत सरकार का गरिमामय 'महात्मा गांधी शांति पुरस्कार' प्रदान किया गया तो संस्थान ने पुरस्कार को पूरे सम्मान के साथ ग्रहण किया, पर इसके साथ प्रदान की जाने वाली एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि सरकार को वापस लौटा दी थी। इसके बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी इस संस्थान के दर्शन के लिए आए थे। लागत मूल्य से 50 से लेकर 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर बहुमूल्य पुस्तकें पाठकों तक पहुंचाने वाला गीता प्रेस वास्तव में सामाजिक-धार्मिक जागरण का एक आंदोलन ही है।

भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की पावन धरा उत्तरप्रदेश का प्रवास तो पूर्व में भी होता ही रहा है किन्तु इसी वर्ष संयोग से संगठन के कार्य से मुझे गोरक्ष प्रांत यानी गोरखपुर सहित आसपास के क्षेत्रों का प्रभार सौंपा गया। ऐसे में गोरखपुर में गोरक्ष पीठ सहित एक महत्वतपूर्ण तीर्थ गीता प्रेस के दर्शन का सौभाग्य भी मिला। प्रकाशन का केंद्रीय कार्यालय गोरखपुर में ही है। हिन्दू धर्म, अध्यात्म, दर्शन सहित मानव कल्याण के अनेक विषयों पर पुस्तकें प्रकाशित कर चुका गीता प्रेस आधुनिक समय का तीर्थ ही है। राजा भागीरथ के महान तप से पुण्य प्रवाहिनी मां गंगा का धरती पर अवतरण संभव हो सका था। इक्ष्वाकु वंश के राजा भागीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए गंगा को धरती पर लाने का प्रण पूर्ण किया था। इसी प्रकार गीता प्रेस के संस्थापक, ब्रह्मलीन श्री जयदयालजी गोयंदका के ऐसे ही महान तप का सुफल यह प्रकाशन है। वैसे तप तुलना का विषय नहीं है किन्तु धर्म, संस्कृति, अध्यात्म, भक्ति एवं मानवता के उद्धार के लिए गोयंदका जी द्वारा स्थापित गीता प्रेस आज भी पुण्य प्रवाहमयी ज्ञान सरिता है।

गीता प्रेस के आदि संपादक श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार 'भाईजी' के उल्लेख के बिना गीता प्रेस की चर्चा पूर्ण नहीं होगी। भाईजी वीर सावरकर के निकट के क्रांतिकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। अपने मौसेरे भाई जयदयालजी के अगाध गीता प्रेम एवं ज्ञान को देखते हुए भाईजी ने श्रीमद्भगवत गीता को लागत मूल्य से भी कम में जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस संकल्प की पूर्ति के लिए अपने एक प्रकाशन की आवश्यकता थी जो गोरखपुर में प्रारंभ हुआ। प्रचार-प्रसार से दूर एक अकिंचन सेवक और निष्काम कर्मयोगी की तरह भाईजी ने सनातन संस्कृति की मान्यताओं को घर-घर तक पहुँचाने में जो अतुलनीय योगदान दिया है, इतिहास में इसका उदाहरण मिलना कठिन है।

गीता प्रेस का मुख्य उद्देश्य हिंदू धर्म के सिद्धांतों को गीता, रामायण, उपनिषद, पुराणों, प्रख्यात संतों के प्रवचन एवं चरित्र-निर्माण की अन्य पुस्तकें-पत्रिकाएं प्रकाशित कर इन्हें लागत मूल्य से भी कम कीमत में समाज में पहुंचाना है। गीता प्रेस मानव जीवन के उत्थायन और सभी की भलाई के लिए प्रयासरत है। इसका उद्देश्य शांति, आनंद और मानव जाति के अंतिम उत्थान के लिए गीता में प्रतिपादित जीवन जीने की कला को बढ़ावा देना है।

संस्थान का संचालन कोलकाता के गोविंद भवन द्वारा किया जाता है। इसका प्रबंधन एक गवर्निंग काउंसिल (ट्रस्ट बोर्ड) करती है। गीता प्रेस में दिन की शुरुआत सुबह की प्रार्थना से होती है। एक व्यक्ति दिनभर घूम-घूम कर प्रत्येक कार्यकर्ता को कई बार भगवान का नाम स्मरण कराता है। गीता प्रेस के अभिलेखागार में भगवद् गीता की 100 से अधिक व्याख्याओं सहित 3,500 से अधिक पांडुलिपियां रखी हैं। गीता प्रेस के मासिक पत्रिका ग्रंथ 'कल्याण' के नए संस्करण के साथ 3000 से अधिक ऑनलाइन संग्रह उपलब्ध हैं। 4 मई 1923 को गीता प्रेस की स्थापना की गई थी तब पुस्तकें छापने का काम बोस्टन कंपनी की प्रिंटिंग प्रेस से शुरू किया गया था। पैरों से चलाई जाने वाली यह मशीन 500 रुपए में अमेरिका से मंगवाई गई थी। अब संस्थान आधुनिक संसाधनों का सदुपयोग करता है इसीलिए मैनुअल और मशीन दोनों माध्यमो से प्रकाशन का काम होता है। गीता प्रेस इन अर्थों में भी विश्व का अनूठा प्रकाशन है क्योंकि यह अपनी पुस्तकों में मात्रात्मक, व्याकरणिक, शाब्दिक अथवा तथ्यात्मक त्रुटि बताने वाले को पुरस्कृत करता है हालाँकि पुस्तकों में ऐसी त्रुटियां मिलती नहीं हैं।

बीते वर्षों में मीडिया में इस प्रकार के समाचार आए थे कि गीता प्रेस आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण बंद होने की कगार पर है किन्तु संस्थान के भ्रमण में यह भी जानने मिला कि स्थिति ऐसी नहीं है। समाज के सहयोग से गीता प्रेस 300 करोड़ रुपए वार्षिक टर्न ओवर वाला समृद्ध संस्थान है और प्रति वर्ष 17 भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित कर रहा है। संस्थान ने अपनी पुस्तकें इंटरनेट पर ऑनलाइन भी उपलब्ध कराई हैं जहां से कोई भी इन्हें डाउनलोड कर सकता है और यह पूरी तरह निशुल्क है।

संस्थान का कार्यालय भी दर्शनीय है। इसके भव्य प्रवेश द्वार के स्तंभ एलोरा के प्राचीन गुफा-मंदिर के स्तंभों की शैली में निर्मित हैं। वहीं अर्जुन के रथ के सारथी बन श्रीकृष्ण गीता का उपदेश दे रहे हैं। प्रवेश द्वार का शिखर दक्षिण भारत के मीनाक्षी मंदिर के शिखरका स्मरण कराता है। इस प्रवेश द्वार का उद्घाटन 29 अप्रैल, 1955 को प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने किया था। संस्थान के परिसर में लीला चित्र मंदिर (आर्ट गैलरी) में 684 सुंदर चित्रों में भगवान राम और भगवान कृष्ण की लीलाओं को प्रदर्शित किया गया है। ये अलग-अलग समय के महान कलाकारों की कृतियां हैं। इनके अलावा अन्य पेंटिंग भी प्रदर्शित हैं। श्री कृष्ण लीला को दर्शाने वाली पुरानी मेवाड़ी शैली की 92 पेंटिंग दर्शनीय है। दीवारों पर संगमरमर के ब्लॉकों पर पूरी गीता उकेरी गई है, साथ ही लगभग 700 दोहे और संतों के छंद भी हैं।

गीता प्रेस आधुनिक समय में हिन्दू धर्म, संस्कृति की पताका पूरे विश्व में फहरा रही है। जब भी बात हिन्दू धर्म के महान ग्रंथों की होती है तो सहज ही गीता प्रेस का नाम ध्यान में आ जाता है। आज की घोर व्यावसायिकता के युग में गीता प्रेस लोक कल्याण की भावना से प्रामाणिक पुस्तकें समाज को उपलब्ध करा रहा है। गीता प्रेस की यह पुण्य सलिला निरंतर प्रवाहमान रहने वाली है।

(ले खक भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं)

संपादकीय

इंसानी रिश्तों का कत्ल

यूं तो हर रोज कई ऐसी खबरें विचलित करती हैं, जिसमें इंसानी रिश्तों का कत्ल होता है। लेकिन कुछ घटनाएं इतनी हृदयविदारक व वीभत्स होती हैं कि हर संवेदनशील व्यक्ति दुख व करुणा से स्तब्ध रह जाता है। पिछले दिनों दिल्ली की उस घटना ने विचलित किया, जिसमें आक्रोशित युवक ने पिता,मां व बहन की हत्या गुस्से में आकर कर दी। वहीं शनिवार को हरियाणा के शाहबाद की उस घटना ने हर किसी को झकझोरा, जिसमें पैसे के लेन-देन को लेकर कुछ लोगों द्वारा उत्पीड़ित किए जाने पर एक व्यक्ति ने अपने माता-पिता, पत्नी की निर्मम हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। उसने कोशिश तो अपने किशोर पुत्र की हत्या की भी की लेकिन संयोगवश वह बच गया। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद जो सुसाइड नोट मिला है, उसमें अपनों की हत्या करने वाले व्यक्ति ने आठ लोगों द्वारा रुपयों के लेन-देन के लिये उत्पीड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज भी किया है। अब भले ही हत्यारे व्यक्ति को रुपयों के लेन-देन को लेकर विकट स्थितियों का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन उसे इससे जन्म देने वाले माता-पिता व पत्नी की हत्या करने का अधिकार तो नहीं मिल जाता। आखिर उसके परिजनों का क्या कसूर था जिन्हें अकारण उसने मौत के घाट उतार दिया। दरअसल, ऐसे मामलों में अकसर देखने में आता है कि विकट परिस्थितियों में बेहद तनाव की स्थितियों से गुजर रहा व्यक्ति इतना हताश हो जाता है कि अपने प्रियजनों को किसी अपमानजनक स्थिति से बचाने के लिये उनकी जीवन लीला समाप्त करना अंतिम विकल्प समझ लेता है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि कई व्यक्ति वास्तविक आर्थिक स्थितियों का आकलन किए बिना ऐसे कदम उठा लेते हैं कि उसकी प्रतिपूर्ति करना मुश्किल हो जाता है। दरअसल संकट से गुजरते व्यक्ति में मुश्किल हालातों से मुकाबले का ऐसा धैर्य ही नहीं रहता है कि उससे उबारने का रास्ता खोज सके। ऐसे में मौत को गले लगाना ही उसे अंतिम विकल्प नजर आता है। दरअसल, हमारे समाज में आज महत्वाकांक्षाओं और भौतिक संसाधन जुटाने का इस कदर जुनून हावी है कि आसन्न संकट का आकलन किए बिना व्यक्ति कर्ज के जाल में फंस जाता है। वहीं दूसरी ओर हमारे समाज में आर्थिक लिप्साओं के उफान के दौर में लोग इतने संवेदनहीन हो चले हैं कि व्यक्ति की दुखती रग पर हाथ रखकर भयादोहन करने लगते हैं। निश्चित रूप से ये विकट स्थितियां मानवीय मूल्यों के पराभव को भी दर्शाती हैं। शाहाबाद की हृदय विदारक घटना के लिये जिन लोगों को दोषी बताया जा रहा है, उन्होंने भी इतना रहम नहीं दिखाया कि यह परिवार उजड़ने से बच जाए। चंद रुपयों को वसूलने के क्रम में लोग किस हद तक गिर सकते हैं, यह घटनाक्रम उसकी बानगी है। एक समय था कि लोग ऐसे संकट में फंसे व्यक्ति की मदद के लिये खड़े होते थे। हमारा सामाजिक स्वरूप ऐसा था कि गांव-मोहल्ले के लोग एक-दूसरे का दुख-दर्द बांट लेते थे। आज हर तरफ लोग पैसे के पीर बन गए हैं।

बीमा सखी योजना 2024 - ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मील का पत्थर साबित होगी

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर भारत की बौद्धिक क्षमता कार्यकुशलता की प्रतिष्ठा को, रेवड़ी योजनाओं के प्रहार से हमला किया जा रहा है, या यूं कहें कि रेवड़ी प्रचलन बौद्धिक क्षमता को जंग लगाने का काम कर रहा हैक्योंकि स्वाभाविक है जिसको घर बैठे डीबीटी से पैसा मिल जाए 5 किलो प्रति मेंबर अनाज और परिवार को 1 किलो दाल मिल जाए तो वह अपना दिमाग क्यों खापाएगा इसका सटीक उदाहरण मैंनें प्रैक्टिकल देखा कि झाड़ के पत्तों की पत्तल बनाने वाली एक महिला कारीगर से मैंने जो पत्तल 40-50 रुपए बंडल मिलती थी, वह 150 रुपए बंडल देने की बात मैंने कही तो भी,उन्होंने बनाने से इंकार किया क्योंकि उसे लाडली बहन योजना से 1500 रूपए प्रतिमाह व राशन का अनाज मिलने की बात कही तो स्वाभाविक रूप से वह पत्तल बनाकर अपनी कौशलता में दिमाग खपाकर क्योंदिखाएंगे। यह बात करीब करीब हर क्षेत्र में महसूस किया जा रही होगी जिसका सुद्धारित रूप अब 9 दिसंबर 2024 से शुरू हुई बीमा सखीयोजना से देखने को मिल सकता है, इस योजना को रेवड़ियों से काफी दूर रखा गया है, यांने ग्रामीण महिला मेहनत कर, घूम घूम कर, एलआईसी की बीमा पॉलिसी लेगी तो उसे उसका मेंहनताना 7 से 21हज़ार तक होगा तथाप्रोत्साहन राशि 2100 अलग मिलेगी वो भी उसे प्रक्रिया से एलआईसी बीमा एजेंट बनना होगा। हालांकि बीमा एजेंट अभी कोई भी बन सकता है, यह कोई नई बात नहीं है परंतु यह विशेष योजना केवल ग्रामीण महिलाओं के लिए है व स्वाभाविक रूप से उन्हें अपेक्षाकृत अधिक प्रोत्साहित किया जाएगा, उन्हें शासकीय कर्मचारियों की बीमा पॉलिसीयां दिलाई जाएगी,जिला स्तरपर उन्हें पॉलिसी मिलने का एक अदृश्य सपोर्ट किया जाएगा जिससे एक तीर से दो निशान होंगे, एक तो ग्रामीण महिलाओं को बीमा एजेंट के तौर पर पॉलिसी मिलेगी वह अपनी आय बढ़ाएगी, दूसरी ओर सरकारी प्रतिष्ठान एलआईसी को वित्त का साधन जनरेट होगा जो नेशनल लेवल पर विनियोग कर विज़न 2047 के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यानें यह अप्रत्यक्ष रूप से विज़न 2047 में भरपूर कारगर सिद्ध होगा। चूँकि 9 दिसंबर 2024 को माननीय पीएम ने हरियाणा के पानीपत में दोपहर 2 बजे बीमा साखी योजना की शुरुआत की है जिसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाकर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है,यह योजना एलआईसी से संचालित की गई है, तो आए हुए पैसों से लॉन्ग टर्म विनियोग बढ़ेगा भारत के विकास के नए-नए अध्यायों के दूरगामी सकारात्मक परिणाम मिलेंगे, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इसआर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,बीमा सखी योजना रेवड़ी से कोसों दूर बल्कि कौशलता के बलपर आत्मनिर्भरता की और कदम बढ़ाए जा रहे हैं। साथियों बात अगर हम बीमा सखी योजना को जानने की करें तो, आज 9 दिसंबर को महिलाओं के लिए सरकार की ओर से एक नई योजना शुरू की गई है,इस योजना का नाम है बीमा सखी योजना,इसके तहत ग्रामीण क्षेत्र से आने वाली महिलाओं को लाभान्वित किया जाएगा एलआईसी की बीमा सखी योजना को शिक्षित महिलाओं के लिए डिजाइन की गई है, जिसका उद्देश्य उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। योजना के तहत लोगों में वित्तीय समझ विकसित करने और बीमा की अहमियतसमझाने के लिए 10 वीं महिलाओं को 3 साल तक ट्रेंड किया जाएगा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्वरोजगार के लिए शुरू की गई इस योजना में महिलाओं को 7,000 से 21,000 रुपये तक हर महीने दिए जाएंगे. योजना की शुरुआत में महिलाओं को हर महीने 7000 रुपये दिए जाएंगे, तो वहीं दूसरे साल में यह राशि 1000 रुपये कम करके 6000 रुपये कर दी जाएगी, तो तीसरे साल में 5000 रुपये हर महीने दिए जाएंगे। वहीं इसके अलावा महिलाओं को 2100 रुपये का अलग से योगदान दिए जाएगा तो साथ ही जो महिलाएं अपने बीमा के टारगेट पूरा करेंगी उन्हें अलग से कमीशन भी दिया जाएगा।

साथियों बात अगर हम बीमा सखी योजना को महिला सशक्तिकरण व रोजगार की ओर कदम बढ़ाने की करें तो, जैसा इस स्कीम का नाम है बीमा सखी योजना यांने इसमें महिलाओं को बीमा से जुड़े काम के लिए सक्षम बनाया जाएगा,इस योजना के जरिए महिलाओं को भारतीय जीवन बीमा निगम की बीमा सखी नियुक्त किया जाएगा यांने उनको एलआईसी का एजेंट बनाया जाएगा।योजना में जुड़ने के बाद महिलाएं लोगों का बीमा कर सकेंगी। सरकार की इस स्कीम से ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली महिलाओं को खासा लाभ होगा,ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं के लिए नौकरी और रोजगार के मौके सामान्य तौर पर काफी कम होते हैं, ऐसे में सरकार की इस स्कीम से इन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का मौका मिलेगा।माननीय पीएम नें सोमवार 9 दिसंबर को हरियाणा के पानीपत से इस योजना का उद्घाटन किया।भारत सरकार द्वारा देश के नागरिकों के लिए बहुत सारी योजनाएं चलाई जाती है, अलग-अलग तबकों से आने वाले लोगों के लिए सरकार की अलग-अलग योजनाएं होती हैं। सरकार महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देने के लिए काफी प्रयास करती रहती है महिलाओं के हित के लिए भी सरकार की कई योजनाएं होती हैं।

साथियों बात अगर हम बीमा सखी योजना को समझने की करें तो, केंद्र सरकार देश के नागरिकों के लिए बहुत सारी योजनाएं चला रही है,इसी कड़ी में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक नई योजना लाई है।इस योजना के जरिए सरकार की कोशिश महिलाओं के सशक्त बनाना और फाइनेंशियल इंक्लूजन को आगे बढ़ाना है पीएमओ की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि 'बीमा सखी योजना' भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की एक पहल है। बीमा सखी योजना के जरिए 10वीं पास कर चुकी 18 से 70 साल की उम्र की महिलाओं के सशक्तीकरण को बल मिलेगा। इस योजना के तहत फाइनेंशियल लिटरेसी और बीमा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को पहले 3 सालों के लिए स्पेशल ट्रेनिंग और वजीफा दिया जाएगा।एलआईसी एजेंट से लेकर डेवलपमेंट ऑफिसर बनने का मौका ट्रेनिंग के बाद महिलाएं एलआईसी एजेंट के रूप में काम कर सकती हैं और ग्रेजुएट बीमा सखियों को एलआईसी में डेवलपमेंट ऑफिसर की भूमिका में काम करने का भी अवसर मिलेगा।पीएम नें भावी बीमा सखियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र भी वितरित किया, योजना के पहले फेज में 35 हजार महिलाओं को बीमा एजेंट के तौर पर रोजगार दिया जाएगा।

(चिंतन-मनन)

मन की तेज गति

नौका नदी के उस पार जा रही थी। अनेक व्यक्ति उस पर सवार थे। भार अधिक हो गया। नौका डगमगाने लगी। नाविक ने कहा - नौका डूब जाएगी। यदि सबको बचना है तो स्वयं को सुरक्षित रखते हुए अपना सारा सामान नदी में बहा दो, अन्यथा सामान के साथ-साथ प्राण भी जाएंगे। सबने अपने जीवन की सुरक्षा को महत्व देते हुए सामान नदी में डाल दिया। एक बनिये के पास तीन खाली डिब्बे और एक रूपयों से भरा डिब्बा था। उसने खाली डिब्बे पानी में डाल दिए। नाविक ने कहा - इस वजनी डिब्बे को डाल दो। बनिये ने रूपयों को ऐसे व्यर्थ बहाना उचित नहीं समझा। वह डिब्बे को साथ ले नदी में कूद पड़ा। नौका हल्की हो गई। पर वह बनिया उस डिब्बे के भार से दबकर डूब गया। यदि वह खाली डिब्बे के साथ कूदता तो संभव है बच जाता, पर भरे हुए डिब्बे ने उसे डुबो दिया।

कहने का अर्थ यह है कि लोगों का भरे हुए पर अधिक विश्वास है, खाली पर नहीं। काम में लगे रहते हैं तो समझते हैं भरे हुए हैं, समय का उपयोग हो रहा है। जब खाली होते हैं तब समझते हैं, आज तो समय व्यर्थ खो रहे हैं। लोग खाली रहना नहीं जानते और खाली रहने के समय का उपयोग करना भी नहीं जानते। आदमी खाली कहां रह पाता है? जब उसके पास कोई काम नहीं होता, तब भी वह खाली नहीं है। उसके मन का चक्का इतनी तीव्र गति से घूमता है कि दुनिया की सारी स्मृतियां उस समय उभर आती हैं। मस्तिष्क विचारों से, संकल्प-विकल्पों से भर जाता है। कहां है खाली वह आदमी? उसका दिमाग भरा ही रहता है।

विचार मंथन

रिश्वत वसूल करने का सुरक्षित तरीका बना डिजिटल नेटवर्क

(लेखक - सनत जैन)

डिजिटल नेटवर्क के नाम पर रिश्वत वसूली करने का नया तरीका सरकारी कर्मचारी और अधिकारियों ने खोज लिया है। मध्य प्रदेश सरकार ने जमीनों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया है। इस डिजिटल रिकॉर्ड को तैयार करने का काम निजी एजेंसियों को दिया गया। राजस्व विभाग के सरकारी अधिकारी कर्मचारियों को डिजिटल रिकॉर्ड और कंप्यूटर में दर्ज करने को लेकर कोई बहुत ज्यादा ज्ञान नहीं होता है। राजस्व रिकॉर्ड में पटवारी और राजस्व निरीक्षक की भूमिका सबसे बड़ी होती है। पटवारी इसके लिए निजी सर्वेयर की मदद ले रहे हैं। जमीनों के सरकारी रिकॉर्ड को रजिस्ट्री के पोर्टल से भी जोड़ दिया गया है। पिछले वर्षों में जिस तरह से राजस्व विभाग का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया गया है, उसके बाद से आम आदमी की मुसीबतें दिनों दिन बढ़ती चली जा रही हैं। जमीन की नपती नहीं हो पा रही है। जमीन के बटान के लिए अघोषित रूप से सर्वेयर रखकर राजस्व विभाग के अधिकारी और कर्मचारी राजस्व कार्यो के लिए सर्वेयर की सहायता ले रहे हैं। जमीन संबंधी विवाद दिनों-दिन बढ़ते चले जा रहे हैं। सर्वेयर के माध्यम से खसरे में प्रविष्टि, सीमांकन बटान इत्यादि प्रत्येक काम के लिए पटवारियों द्वारा अघोषित फीस निर्धारित कर दी गई है। जो सर्वेयर के माध्यम से वसूल की जा रही है। पटवारी, राजस्व निरीक्षक अपनी असमर्थता जताकर जमीन संबंधी कामों के लिए निजी सर्वेयर के पास जाने के लिए बोलते हैं। निजी सर्वेयर के माध्यम से रिश्वत की रकम मिलने के बाद ही राजस्व विभाग में काम हो पा रहे हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जो मामला सामने आया है उसके अनुसार छोटे-छोटे से कामों के लिए हजारों रुपए की रिश्वत पटवारी और राजस्व निरीक्षकों द्वारा सर्वेयर के माध्यम से वसूल की जा रही है। भोपाल कलेक्टर ने जानकारी मिलने के बाद तीन पटवारियों को निलंबित किया है। खसरे में प्रविष्टि चढ़ाने के लिए 5 से 10,000 रूपये तक वसूल किये जा रहे हैं। वहीं जमीन का बटान करने के लिए हजारों रुपए की रिश्वत सर्वेयर के माध्यम से वसूल की जा रही है। पटवारी अपने कार्यालय में उपलब्ध नहीं होते हैं। वह सर्वेयर के पास बैठ कर सारे काम को निपटाते हैं। जमीन सीमांकन का काम करने के लिए 10,000 रूपये से लेकर 1,00000 रूपये तक वसूल किये जा रहे हैं। नामांतरण के मामले में भी 5,000 रूपये से लेकर 1,00000 रूपये तक की वसूली पटवारी और राजस्व निरीक्षकों द्वारा की जा रही है। रिश्वत वसूल करने के लिए पटवारी अपना सरकारी रिकॉर्ड सर्वेयर को सौंप देते हैं। जो पूरी तरह से गैर कानूनी है। सर्वेयर और पटवारी मिलकर जमीन मालिकों से हजारों-लाखों रुपए की रिश्वत सर्वेयर के माध्यम से सुरक्षित रूप से वसूल करने का तरीका खोज लिया है। जिसके कारण पटवारी, राजस्व निरीक्षक और राजस्व अधिकारी पूरी तरह से सुरक्षित रहते हुए लाखों रुपए हर माह कमा रहे हैं। जिन लोगों को अपने काम कराने होते हैं, वे सर्वेयर की सेवाएं लेकर फीस के रूप में बड़ी रकम देकर राजस्व रिकॉर्ड को सही कराने का काम करते हैं। राजस्व रिकॉर्ड ऑनलाइन हो गया है। इसके बिना कोई काम नहीं हो सकता है। रजिस्ट्री का पोर्टल भी इसके साथ जुड़ा हुआ है। बी 1 और बी 2 की प्रविष्टि खसरा नकल इत्यादि का सारा काम ऑनलाइन हो रहा है। पटवारी और राजस्व निरीक्षकों का रिश्वत वसूल करने के लिए नया नेटवर्क सारे प्रदेश में बन गया है। रिश्वत में वसूल की गई रकम का बटवारा पटवारी, राजस्व निरीक्षक और अधिकारियों के बीच में बड़े व्यवस्थित रूप से होता है। सरकार ने निजी सर्वेयर को कोई मान्यता नहीं दी है। इसके बाद भी सरकारी रिकॉर्ड निजी एजेंसियों और निजी सर्वेयरों के पास हैं। राजस्व विभाग के अधिकारियों को जो पासवर्ड दिए गए हैं। वह भी सर्वेयर के पास होते हैं। इसमें बड़े पैमाने पर गड़बड़ी होने की शिकायतें भी मिल रही हैं। बैंकों से लोन भी फर्जी रिकॉर्ड के आधार पर लिया जा रहा है। जब से राजस्व विभाग ने डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया है, उसके बाद से जमीनों की खरीद-बिक्री में धोखा-धड़ी बढ़ गई है। जमीन मालिक बुरी तरीके से परेशान हैं। हर काम के लिए हजारों लाखों रुपए की रिश्वत देनी पड़ रही है। मध्य प्रदेश में कई मामले इस तरह के सामने आ चुके हैं। जहां डिजिटल रिकॉर्ड में गड़बड़ी करके करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की गई है। मनमाने तरीके से रिकॉर्ड में परिवर्तन कर दिया गया है। रिश्वत लेकर डिजिटल रिकॉर्ड में बिना प्रकरण बनाए, बिना सक्षम अधिकारियों की जानकारी के बिना प्रविष्टियों में परिवर्तन किया गया है। जिसके कारण आम जनता के साथ जो धोखाधड़ी हो रही है। उससे गुस्सा बढ़ता जा रहा है। सरकार को इस दिशा में विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पिछले 10 सालों में बैंकों की जमा राशि ढाई गुना बढ़ी

- निजी कर्जों में भी 10 वर्षों में 4.5 गुना वृद्धि हुई

मुंबई । देश में बैंकों की कुल जमा राशि पिछले दस सालों में 2.4 गुना बढ़कर ढाई गुना हो गई है। इसमें महाराष्ट्र का योगदान 22 फीसदी है, जिसे वर्ष 2023-24 में कुल 212 करोड़ रुपए के रूप में देखा गया है। महाराष्ट्र की जमा राशि 46.7 लाख करोड़ रुपए है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में जारी किए गए डेटा अनुसार, निजी कर्जों में भी 10 वर्षों में 4.5 गुना वृद्धि हुई है। 2025 में देश में कुल 11.44 लाख करोड़ रुपए का निजी कर्ज लिया गया, जो पिछले वर्ष 51.44 लाख करोड़ रुपए के हिसाब से कम है। महंगाई दरों में सबसे अधिक मणिपुर की रही, जबकि उत्तराखंड, पंजाब, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, बिहार, यूपी, व भारत के औसत 5.4 दर्ज की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों की सबसे अधिक दिहाड़ी मजदूरी केरल में है, जहां उन्हें प्रतिदिन 894 रुपए मिलते हैं। कृषि मजदूरी भी केरल में ही सबसे अधिक है, जहां यह 807 रुपए प्रतिदिन है। जम्मू और कश्मीर में यह आंकड़ा 566 रुपए, तमिलनाडु में 541 रुपए, हिमाचल प्रदेश में 492 रुपए और हरियाणा में 452 रुपए है। देश में सबसे अधिक फैक्ट्री तमिलनाडु में है, जहां 39,666 फैक्ट्री हैं। गुजरात में इसकी संख्या 31,031 है, जो दूसरे नंबर पर है।

भारत में 2025 में रोजगार परिदृश्य वैश्विक स्तर पर सबसे मजबूतः सर्वेक्षण

- 53 प्रतिशत नियोक्ताओं की संख्या बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली । भारत में जनवरी-मार्च 2025 में रोजगार परिदृश्य वैश्विक स्तर पर सबसे मजबूत रहने के आसार हैं। एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। इस सर्वेक्षण में शामिल 40 प्रतिशत कॉरपोरेट जगत के लोगों ने अगले तीन महीनों में अपने कर्मचारियों के संख्या बढ़ाने की बात कही। भारत के विभिन्न क्षेत्रों के 3,000 से अधिक नियोक्ताओं को शामिल करने वाले इस सर्वेक्षण के अनुसार, 53 प्रतिशत नियोक्ताओं की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। मैनपावरग्रुप के भारत एवं पश्चिम एशिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है और 2025 की पहली तिमाही के लिए रोजगार परिदृश्य में वैश्विक नेता के रूप में इसकी स्थिति देश की आर्थिक प्रगति में नियोक्ताओं के विश्वास को दर्शाती है। इस अनुसंधान के अनुसार भारत में 40 प्रतिशत शुद्ध रोजगार का अनुमान है, जो कि अमेरिका और मेक्सिको से अधिक है। वैश्विक औसत 25 प्रतिशत है। इसके विपरीत, अर्जेंटीना के लिए रोजगार पूर्वानुमान बेहतर नहीं रहा। अधिकारी ने इस समाचार को स्वागत किया और देश की उच्च गति वाली अर्थव्यवस्था में रोजगार के अनुमानित बढ़ते स्तर की सराहना की। इस सुझाव के साथ भारत की आर्थिक प्रगति में और भी अच्छी सूचियों की उम्मीद की जा रही है।

स्टील आयात पर सुरक्षा शुल्क लगाने की तैयारी

कॉमर्स सेल डिरेक्टोरेट ने इस्पात मंत्रालय से मांगे हैं आंकड़े

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय ने चयनित इस्पात उत्पादों पर सुरक्षा शुल्क के लागू होने के मुद्दे पर गहराई से विचार करने का निर्णय लिया है। चीन, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और जापान से अलॉय के आयात में इजाफा के संकेत के बावजूद मंत्रालय इस नये शुल्क के प्रभाव की जांच कर रहा है। एक निर्माता ने पहले भी सुरक्षा शुल्क की मांग की थी लेकिन किसी भी निर्णय पर उछाल के बारे में चिंता जाहिर की गई है। कॉमर्स सेल डिरेक्टोरेट ने इस विषय पर स्पष्टीकरण के लिए इस्पात मंत्रालय से आंकड़े मांगे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम गहरी छानबीन कर रहे हैं। एमएसएमई क्षेत्र के हित में ध्यान रखा जा रहा है और विचारित निर्णय के लिए आवश्यक जानकारी संग्रहित की जा रही है। सुरक्षा शुल्क सामान्यतः एक अस्थायी उपाय होता है जो विदेशी उत्पादों के आयात को रोकने का साधन के रूप में इस्तेमाल होता है।

भारतीय रिजर्व बैंक के नए गवर्नर होंगे संजय मल्होत्रा

- शक्तिकांत दास की जगह संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार संजय मल्होत्रा को रिजर्व बैंक का नया गवर्नर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति वर्तमान गवर्नर शक्तिकांत दास के कार्यकाल में विस्तार नहीं किए जाने के बाद की गई है। संजय मल्होत्रा ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के तहत राजस्थान कैडर से अपनी सेवा शुरू की थी। वह अब रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उन्होंने उर्जित पटेल के इस्तीफे के बाद केंद्रीय बैंक की जिम्मेदारियां संभाली थी। संजय मल्होत्रा का कार्यकाल अगले तीन साल के लिए होगा। मल्होत्रा के पास वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में अत्यधिक अनुभव है। उन्होंने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव के तौर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। इसके अलावा उन्हें केंद्र और राज्य सरकारों में टैक्स और वित्तीय मामलों का भी गहरा अनुभव है। शक्तिकांत दास का कार्यकाल भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में 2018 में शुरू

हुआ था और उनके कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय लिए गए।

हालांकि, सरकार ने उनके कार्यकाल में कोई विस्तार करने का निर्णय नहीं लिया है। बताया जा रहा है कि संजय मल्होत्रा की नियुक्ति का फैसला वित्तीय सेवा क्षेत्र में उनके अनुभव को देखते हुए लिया गया है।

भारतीय फार्मास्युटिकल बाजार में सुधार के संकेत

- नवंबर में 10 फीसदी की वैल्यू ग्रोथ दर्ज

नई दिल्ली ।

फार्मा रिसर्च डेटा द्वारा उपलब्ध जानकारी के अनुसार कार्डियक, गैस्ट्रो, एंटी-डायबिटीज और डर्मा सेगमेंट में 9.9 फीसदी से अधिक वृद्धि दर्ज की गई। एंटी-न्यूप्लास्टिक्स, डर्मेटोलॉजी और यूरोलॉजी क्षेत्र भी ग्रोथ की दिशा में थे, जो दर्शाता है कि उपचार की मांग बढ़ रही है। कीमतों में वृद्धि और नई दवाओं का लॉन्च मुख्य ग्रोथ ड्राइवर्स बने रहे। इसके परिणामस्वरूप बिक्री में वृद्धि देखने को मिली, जैसे कि ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन की एंटीबायोटिक दवा ऑगमेंटिन और यूएसवी की ग्लाइकोमेट जीपी। जानकारी के अनुसार घरेलू फार्मा बाजार में नवंबर में रिकवरी देखी गई है और ग्रोथ होने की संभावना है। आईपीएम की कुल वार्षिक वृद्धि 8 फीसदी रही, जिसमें कार्डियक, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और एंटी-इंफेक्टिव थेरेपी क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह तरीके से भारत में फार्मास्युटिकल बाजार में सुधार के संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं और दवाओं की मांग और बिक्री में वृद्धि के चिन्ह प्रकट हो रहे हैं।

भारत के लिए एआई बड़ा बदलाव लाने का जरिया अमेजन इंडिया

- अमेजन ने निर्धारित लक्ष्यों को पार कर लिया है

नई दिल्ली । अमेजन इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि कृत्रिम मेधा में भारत के लिए बड़ा बदलाव लाने की क्षमता। इस समय स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि और खुदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि की गति बढ़ाएंगे। अे धिकारी ने अमेजन संभव शिखर सम्मेलन में आलोचना करते हुए कहा कि ई-कॉमर्स दिग्गज ने 13 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया है। उन्होंने बताया कि अमेजन ने निर्धारित लक्ष्यों को पार कर लिया है और 1.2 करोड़ छोटे व्यवसायों को डिजिटल बना दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रति अमेजन की प्रतिबद्धता पहले से कहीं अधिक दृढ़ है। वे दावा करते हैं कि वे स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी नयापन लाएंगे और भारत में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि एआई क्षमता भारत को तकनीकी उन्नति में मदद कर सकती है और विभिन्न सेक्टरों में आगे की ऊंचाई को प्राप्त करने में सहायक हो सकती है।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को सपाट बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव जारी रहा। एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी निवेशक के सतर्क रुख अपनाने से बाजार में बिकवाली हावी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 1.59 अंक की हल्की बढ़त लेकर 81,510 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.04 फीसदी तकरीबन 8.95 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 24,610.05 पर सपाट बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व का शेयर 1.59 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। एचसीएल टेक, स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक बैंक और टाइटन के शेयर मुख्य रुप से बढ़त में रहे।

दूसरी ओर भारती एयरटेल का शेयर 1.42 फीसदी गिरा । इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, मारुति, नेस्ले इंडिया, एलएंडटी के शेयरों में भी गिरावट रही।।

बाजार जानकारों के अनुसार कंज्यूमर प्राइस

इंडेक्स (सीपीआई) का डेटा आरबीआई के रीपो रेट में कटौती के समय को प्रभावित करने वाला बड़ा अहम कारण हो सकता है। कारोबारियों के अनुसार, अमेरिकी और भारत के मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होने से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ये आंकड़े रीपो रेट में कटौती के समय को प्रभावित कर सकते हैं। वहीं चीन के शेयरों में मंगलवार को उछाल आया। वहीं, ग्लोबल मार्केट्स में अमेरिकी के मुद्रास्फीति डेटा से पहले गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

बाजार हल्की बढ़त के साथ खुले। पिछला सप्ताह अच्छा प्रदर्शन करने के बाद इस सप्ताह बाजार में थोड़ी मायूसी देखी जा रही है। कोई बड़े ट्रिगर पॉइंट नहीं होने की वजह से बाजार लाल और हरे निशान के बीच झूलता हुआ दिखाई दे रहा है। सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ 81,575.96 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार सेंसेक्स 200 अंको के दायरे में कारोबार करता हुआ दिख रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मामूली तेजी के साथ 24,652.65 अंक पर खुला।

महिंद्रा और इंडिगो के बीच कोड 6ई का विवाद अब कोर्ट पहुंचा

महिंद्रा के तेवर पड़े नरम, अब गाड़ियों पर 6ई का नहीं करेगी इस्तेमाल

नई दिल्ली।

महिंद्रा और इंडिगो के बीच हुआ कोड 6ई को लेकर विवाद अब अदालत पहुंच गया। इस मामले में महिंद्रा के तेवर नरम पड़ रहे हैं। महिंद्रा ने इस कोड से दूरी बना ली है। उसने कहा कि जब तक अदालत में यह मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक वह अपनी गाड़ियों के नाम में कोड 6ई का इस्तेमाल नहीं करेगी।

दरअसल, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने पिछले पहले इलेक्ट्रिक एसयूवी कारों की नई रेंज बाजार में उतारी थीं। कंपनी ने इनमें से एक रेंज को बीई 6ई नाम दिया था। इस कोड पर इंडिगो एयरलाइन ने आपत्ति जताई थी क्योंकि 6ई इंडिगो एयरलाइन का कोड है। एयरलाइन की फ्लाइट के नंबर 6ई कोड के साथ शुरू होते हैं। कंपनी ने बाद में महिंद्रा के खिलाफ केस दायर कर दिया था। इंडिगो ने इसे ट्रेडमार्क का उल्लंघन बताया था। वहीं ट्रेडमार्क मामले में महिंद्रा ने भी सफाई दी थी। महिंद्रा ने कहा था कि वह उसने इलेक्ट्रिक ओरिजिन एसयूवी पोर्टफोलियो के एक हिस्से के रूप में बीई 6ई के लिए क्लास 12 वाहन के तहत ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया है। इस मामले में इंडिगो की ओर से दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। महिंद्रा ग्रुप की कंपनी महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल लिमिटेड ने कोर्ट में कहा कि जब तक ट्रेडमार्क से संबंधित मामले में कोई फैसला नहीं आता, तब तक वह नई इलेक्ट्रिक कारों में इस कोड का इस्तेमाल नहीं करेगी। महिंद्रा ने कहा कि वह अपने मॉडल के नाम को बीई6ई से बदलकर बीई6 करेगी। हालांकि उसने यह भी कहा कि वह इंडिगो के दावों को भी कोर्ट में लेकर जाएगी। मामले की अगली सुनवाई अप्रैल 2025 में होगी। बता दें यह पहली बार नहीं है तब इंडिगो एयरलाइन ने

नाम को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। यह एयरलाइन पहले भी कोर्ट जा चुकी है। मामला साल 2005 का है। उस समय इंडिगो का पंगा टाटा मोटर्स के साथ था। दरअसल, इंडिगो एयरलाइंस की शुरुआत साल 2004 में हुई थी। हालांकि कंपनी के विमानों ने उड़ान भरना शुरू नहीं किया था। उस समय टाटा मोटर्स अपनी एक कार को इंडिगो नाम से बेचती थी। इसके बाद भी एयरलाइन ने अपने नाम को इंडिगो के साथ जारी रखा था।

चीन का निर्यात धीमा, आयात में गिरावट

- निर्यात और आयात के अंतर की वृद्धि ने चीन की आर्थिक स्थिति पर असर डाला

हांगकांग ।

चीन के व्यापारिक दृष्टिकोण में नवंबर महीने में एक ध्रुवीकृत बदलाव देखने को मिला है, जिसे अनुसार निर्यात में कमजोरी और आयात में गिरावट की घटना सामने आई है। सिन्धु घाटी में सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार निर्यात में अच्छी वृद्धि का अपेक्षित स्तर से नीचे रहा जबकि आयात में बढ़ोतरी की स्थिति दर्शाई गई। यह बदलाव वैश्विक बाजार में अकसर दिखाई देने वाले दबाव के परिणाम के रूप में देखा जा सकता है। निर्यात और आयात के अंतर की वृद्धि ने चीन की आर्थिक स्थिति पर असर डाला है, जो एक समर्थन के स्तर पर पहुंच गया है। इस अशंकाजनक परिस्थिति में चीनी अर्थव्यवस्था के नेताओं के लिए एक बड़ी चुनौती का सामना है, जिसे वे समझ कर उचित उत्तर ढूंढने में सक्षम होने के लिए कठिनाइयों का सामना करना होगा। चीन की मौद्रिक नीति में नरमी लाने से भविष्य की स्थिति को सुधारने की कोशिश करने पर ध्यान केंद्रित करना उचित होगा। वाणिज्यिक दृष्टिकोण से आज के समय में सही मार्ग चुनना महत्वपूर्ण होगा, जिससे चीन के अर्थतंत्र को सुरक्षित बनाने में मदद मिले।

एयर इंडिया ने एयरबस को दिया 100 विमानों का ऑर्डर

फरवरी 2023 में एयर इंडिया ने दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा विमान ऑर्डर दिया था

नई दिल्ली ।

समूह द्वारा संचालित एयर इंडिया समूह ने यूरोप की विमान विनिर्माता कंपनी एयरबस को 100 विमानों का ऑर्डर दे दिया है। इसमें 90 नैरोबॉडी ए320 परिवार के विमान और 10 वाइडबॉडी ए350 विमान शामिल हैं। यह ऑर्डर पिछले साल समूह द्वारा दिए गए 470 विमानों के ऑर्डर के अलावा है। फरवरी 2023 में एयर इंडिया ने दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा विमान ऑर्डर दिया था। इसके तहत 250 विमानों का ऑर्डर एयरबस को और 220 का ऑर्डर बोइंग को दिया गया था। उस समय विमानन कंपनी के मुख्य वाणिज्यिक और परिवर्तन अधिकारी (सीसीटीओ) निपुण अग्रवाल ने खुलासा किया था कि विमानन कंपनी ने ऑर्डर का विस्तार करने का विकल्प सुरक्षित रखा हुआ है और इसमें 370 अतिरिक्त विमान शामिल किए जा सकते हैं। इससे कुल संभावित ऑर्डर 840 विमानों तक पहुंच गए जिनमें से 470 विमानों का पक्का ऑर्डर और विकल्प में रूप में 370 विमान शामिल हैं। विमानन कंपनी ने अब अपने एयरबस के कुछ विकल्पों का उपयोग किया है। टाटा संस और एयर इंडिया के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत में यात्रियों की संख्या में वृद्धि बाकी दुनिया में आगे होने से इसके बुनियादी ढांचे में खासा सुधार हो रहा है और महत्त्वाकांक्षी युवा आबादी तेजी से वैश्विक स्तर पर जा रही है। इसलिए एयर इंडिया के मामले में हमें भविष्य के इसके बेड़े को पिछले साल दिए गए 470 विमानों के पक्के ऑर्डर से आगे बढ़ाने की स्पष्ट स्थिति दिख रही हैं। एयर इंडिया समूह ने बयान में कहा कि 100 अतिरिक्त विमानों के ऑर्डर के साथ एयर इंडिया को एयरबस से कुल 344 नए विमान

मिलने हैं। इनमें से उसे अब तक छह ए350 विमान मिल गए हैं। एयर इंडिया ने साल 2023 में बोइंग को 220 वाइडबॉडी और नैरोबॉडी वाले विमानों का भी ऑर्डर दिया था जिसमें से 185 विमान मिलने बाकी हैं।' पूर्ण-सेवा वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया और उसकी किफायती विमानन क्षेत्र की सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास वर्तमान में क्रमशः लगभग 210 और 90 विमानों का बेड़ा है।

दिल्ली में 17 से 22 जनवरी तक सजेगा भारत मोबिलिटी एक्सपो का बाजार

दुनिया की दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनियां नए वाहन पेश करेंगी

मुंबई ।

दिल्ली फिर दुनिया भर के वाहन निर्माताओं और ऑटोमोबाइल प्रेमियों का केंद्र बनने वाली है। अगले साल जनवरी में भारत मोबिलिटी एक्सपो 2025 ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए एक बड़ा मंच होगा। यह आयोजन 17 से शुरू होकर 22 जनवरी तक चलेगा और नई तकनीकों व आधुनिक वाहनों को पेश किया जाएगा। खासतौर पर इस बार टाटा, मारुति और होंडा के नए इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। दिल्ली में हर साल होने वाले इस ऑटो शो को पहले ऑटो एक्सपो के नाम से जाना जाता था, लेकिन अब भारत मोबिलिटी एक्सपो के रूप में पहचान दी गई है।

आयोजन का स्थान भारत मंडपम होगा, जहां पिछले साल भी इसका आयोजन हुआ था। यह इस एक्सपो का दूसरा संस्करण है। छह दिवसीय इस मेगा इवेंट में दुनिया भर की बड़ी वाहन निर्माता कंपनियां और ऑटो कंपोनेंट्स निर्माता अपनी नई पेशकशों का प्रदर्शन करेंगी। हालांकि, आम जनता के लिए एक्सपो के दरवाजे चार दिनों के लिए खुलने है। जिससे वे इस मोटर शो का भरपूर आनंद ले सकें। 2025 भारत मोबिलिटी एक्सपो में फोर व्हीलर और टू व्हीलर के क्षेत्र में कई दिग्गज ब्रांड्स अपनी भागीदारी निभाएंगे। इसमें बीएमडब्ल्यू, बीवाईडी, हुंडई, इसुजु, किआ, लेक्सस, महिंद्रा, मारुति सुजुकी, मर्सिडीज-बेंज, मॉरिस गैरेज, पोर्श, स्कोडा, टाटा मोटर्स, टोयोटा, विनफास्ट और फॉक्सवैगन जैसे ब्रांड्स शामिल है। इन कंपनियों के नए और आधुनिक मॉडल्स, खासतौर पर ईवी की पेशकश, एक्सपो की खास आकर्षण होगी।

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते क्रेज के बीच यह एक्सपो ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए नई संभावनाओं को उजागर करेगा। जहां भारतीय ब्रांड्स जैसे टाटा, मारुति और महिंद्रा अपने इलेक्ट्रिक इनोवेशन के साथ सुर्खियां बटोरने की तैयारी में हैं, वहीं अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स भी अपने लेटेस्ट मॉडल्स और तकनीकी प्रगति का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

हजारों सालों तक ऊर्जा प्रदान करने वाली डायमंड बैटरी का आविष्कार

ब्रिस्टल ।

यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल और यूके एटॉमिक एनर्जी अथॉरिटी के शोधकर्ताओं ने मिलकर हजारों सालों तक ऊर्जा प्रदान करने वाली डायमंड बैटरी का आविष्कार करने का दावा किया है। इस बैटरी का निर्माण किया है, जिसमें मुख्य रूप से कार्बन-14 का उपयोग किया गया है। यह एक रेडियोधर्मी तत्व है, जो लगातार विकिरण उत्पन्न करता है, और इसे हीरे की एक मजबूत केसिंग में सुरक्षित रूप से रखा जाता है। कार्बन-14 की रेडियोधर्मी विकिरण का उपयोग ऊर्जा पैदा करने के लिए किया जाता है, और हीरे की केसिंग इसे सुरक्षित तरीके से कंटेन करती है। यह बैटरी सौर पैनल की तरह काम करती है, लेकिन इसमें अंतर यह है कि जहां सौर पैनल सूर्य की रोशनी का उपयोग करते हैं, वहां यह बैटरी रेडियोधर्मी विकिरण से ऊर्जा उत्पन्न करती है। इस बैटरी की खासियत यह है कि इसमें कोई रिसाव नहीं होता, क्योंकि विकिरण पूरी तरह से हीरे की केसिंग में समाहित होता है। यह डायमंड बैटरी हजारों वर्षों तक काम करने की क्षमता रखती है, क्योंकि कार्बन-14 की हाफ-लाइफ 5700 साल है। इसका मतलब है कि बैटरी की आधी शक्ति हजारों सालों तक बनी रहेगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका उपयोग स्वास्थ्य सेवाओं, अंतरिक्ष मिशनों और परमाणु कचरे के ऊर्जा उत्पादन में किया जा सकता है।

खासतौर पर, हेल्थकेयर उपकरण जैसे पेसमेकर और हियरिंग एड के लिए यह बैटरी बेहद उपयोगी साबित हो सकती है, क्योंकि इन उपकरणों को लगातार ऊर्जा की आवश्यकता होती है और बैटरी बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अंतरिक्ष मिशनों में भी इस बैटरी का महत्व हो सकता है, जहां लंबी अवधि तक ऊर्जा की जरूरत होती है। नासा जैसे संगठनों को इस तकनीक से काफी लाभ हो सकता है। डायमंड बैटरी एक सुरक्षित और टिकाऊ ऊर्जा स्रोत प्रदान करती है, जो भविष्य के लिए एक स्थायी समाधान साबित हो सकती है। बता दें कि यह बैटरी एक क्रांतिकारी कदम है, जो न केवल ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करेगी, बल्कि पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित होगी।

महिंद्रा की एसयूवी और कमर्शियल वाहनों की बढ़ेगी कीमतें

नईदिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा अपनी एसयूवी और कमर्शियल वाहनों की कीमतों को बढ़ाने का ऐलान किया गया। वाहनों की कीमतों में यह बढ़ोतरी जनवरी 2025 से लागू होगी। अपने बयान में महिंद्रा कंपनी ने कहा कि महंगाई और कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी होने के कारण महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी सभी एसयूवी और कमर्शियल वाहनों की कीमतें 3 प्रतिशत तक बढ़ाने का फैसला किया है। महिंद्रा ने कहा कि उसने इन अतिरिक्त लागतों को यथासंभव वहन करने का प्रयास किया है। हालांकि, बड़ी हुई लागत का एक हिस्सा ग्राहकों को पास करने की आवश्यकता थी। इससे पहले गुरुवार को हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अपने सभी मॉडल्स के दाम में 25,000 रुपये तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया गया। नई कीमतें 1 जनवरी से लागू होंगी। कीमतों में बढ़ोतरी की वजह इनपुट लागत का बढ़ना है। एचएमआईएल द्वारा जारी बयान में कहा गया कि कीमतों में बढ़ोतरी सभी मॉडल्स पर की जाएगी और अधिकतम 25,000 रुपये तक बढ़ाए जाएंगे। इनपुट लागत में वृद्धि, प्रतिकूल विनिमय दर और लॉजिस्टिक्स लागत में वृद्धि के कारण मूल्य वृद्धि आवश्यक हो गई है। नवंबर में महिंद्रा एंड महिंद्रा की कुल बिक्री 79,083 यूनिट्स की रही। यूटिलिटी व्हीकल्स सेगमेंट में महिंद्रा ने घरेलू बाजार में 46,222 वाहन बेचे। इसमें 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले हफ्ते, ऑटोमेकर ने दो बिल्कुल नए मॉडल पेश करके देश में अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का विस्तार किया। बीई 6ई और एक्सईवी 9ई के एंट्री-लेवल वेरिएंट की कीमत क्रमशः 18.9 लाख रुपये और 21.9 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। कंपनी ने कहा कि बीई 6ई 682 किलोमीटर की रेंज के साथ आती है जबकि एक्सईवी 9ई की रेंज 656 किलोमीटर है। ऑटोमेकर ने अपने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कारोबार में 12,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया /भारत : ब्रिसबेन टेस्ट से पहले भारतीय बल्लेबाजों ने किया अभ्यास, रोहित-कोहली ने बहाया पसीना

एडीलेड (एजेंसी)। गुलाबी गेंद के दिन-रात्रि क्रिकेट टेस्ट में 10 विकेट की करारी हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की अगुआई में भारतीय बल्लेबाजों ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में वापसी के लक्ष्य के साथ मंगलवार को यहां लाल गेंद से कड़े नेट सत्र में हिस्सा लिया। ऑस्ट्रेलिया की टीम शनिवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट के लिए ब्रिसबेन पहुंच गई है लेकिन भारतीय टीम ने लाल गेंद के अपने कौशल को निखारने पर ध्यान देने के लिए यहीं रुकने का फैसला किया।

भारतीय टीम ने अपनी रक्षात्मक तकनीक और गेंदों को छोड़ने पर ध्यान दिया। भारतीय टीम के अभ्यास का वीडियो साझा करते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 'एक्स' पर लिखा, 'अब आगे के बारे में सोचने का समय है। ब्रिसबेन टेस्ट की तैयारी यहां एडीलेड में शुरू हो चुकी है।''

खराब फॉर्म से जूझ रहे भारतीय कप्तान रोहित पिछली 12 पारियों में एक अर्धशतक (52) के साथ सिर्फ 142 रन बना पाए हैं। वह अपने बेटे के जन्म के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेल पाए थे और मंगलवार को उन्होंने भारतीय स्पिनरों और तेज गेंदबाजों दोनों का सामना करते हुए जल्दी से जल्दी लय हासिल करने का लक्ष्य रखा।

दूसरे टेस्ट में छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे रोहित ने दो पारियों तीन और छह रन बनाए। वह पहली पारी में पगबाधा हुए जबकि दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने उन्हें बोल्ड किया। पर्थ में पहले टेस्ट में शतक के साथ 16 महीने के शतक के सूखे को समाप्त करने वाले कोहली गुलाबी गेंद के टेस्ट में दोनों पारियों में विकेट के पीछे आउट हुए। उन्होंने पहली पारी में दूसरी स्लिप जबकि दूसरी पारी में विकेट को कैच थमाया।

स्टार भारतीय बल्लेबाज कोहली ने पूरे जज्बे के साथ अभ्यास किया। उन्होंने नेट सत्र की शुरुआत में सावधानी बरती लेकिन फिर धीरे-धीरे लय में आ गए। लोकेश राहुल अधिक शांत दिखे। उन्होंने अपने डिफेंस पर अधिक ध्यान दिया जबकि ऋषभ पंत ने कुछ पिक अप शॉट खेले। शुरुआती टेस्ट में भारत की 295 रन की विशाल जीत में 161 रन की पारी खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कुछ अच्छे शॉट लगाए और भारतीय गेंदबाजों के सामने भी आक्रामक रुख अपनाया।

गेंदबाजी इकाई में हर्षित राणा, आकाश दीप, यश दयाल और रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और वाशिंगटन सुंदर की स्पिन तिकड़ी शामिल थी जबकि कुछ थ्रोडाउन विशेषज्ञ भी थे। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की प्रमुख भारतीय तेज गेंदबाजी जोड़ी के साथ-साथ तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने अधिक पसीना नहीं बहाया। भारत को बुधवार को ब्रिसबेन पहुंचना है।

आईपीएल में लगने वाला पैसा पाक के रक्षाबजट से अधिक

लाहौर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) निलामी में जहां खिलाड़ियों पर करोड़ों की बोली लगती है। वहीं पाकिस्तान की क्रिकेट लीग पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिन्हें आईपीएल में जगह नहीं मिल पायी हो। आईपीएल 2024 में सभी 10 टीमों का कुल राजस्व पिछले 2023 का भी दोगुना हो गया है। आईपीएल 2024 का कुल राजस्व 6,797 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले सीजन 3,082 करोड़ से अधिक है। ये पाकिस्तान के रक्षा बजट की रकम से अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान का 2024 में रक्षा बजट 7.64 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 2,122 अरब पाकिस्तानी रुपये था। ये रकम 6497 करोड़ भारतीय रुपये होती है। इस प्रकार पाकिस्तान के रक्षा बजट से अधिक भारतीय क्रिकेट लीग की 10 टीमों का राजस्व ही है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे लीग क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज होता है। ये सब प्रायोजन करारों से संभव हुआ है। बीसीसीआई की साल 2022 में रिकॉर्ड 48,390 करोड़ की मीडिया राइट्स की डील हुई थी जो अब बढ़ गयी है। प्रसारण राजस्व के अलावा बोर्ड का कई प्रमुख ब्राडों से करार है। , इससे ही उसे 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की आय हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल का ब्रांड मूल्य 2023 की तुलना में 2024 में 13 फीसदी बढ़ा है और इसके सामने पाक का रक्षा बजट काफी कम बढ़ा है। आईपीएल की चार फ्रेंचाइजी- चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस (एमआई), रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी), और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने ही ब्रांड मूल्य में 100 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके अलावा पाक में क्रिकेट से होने वाली कमाई भी भारत के कारण ही है। आईसीसी की अधिकांश कमाई का बड़ा हिस्सा भारत से जाता है। पीसीबी को भी उससे ही राजस्व मिलता है। ऐसे में पीसीबी का ये कहना कि वह भी भारत में होने वाले आईसीसी मुकाबलों के लिए हाइब्रिड मॉडल चाहता है कोरी बयानबाजी के सिवा कुछ नहीं है।

भारत के 13 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने लगाया उम्र धोखाधड़ी का आरोप

स्पोर्ट्स डेस्क । आईपीएल 2025 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स द्वारा 1.1 करोड़ रुपए में खरीदे गए भारत के 13 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर उम्र धोखाधड़ी के विवाद में फंस गए है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर जुनैद खान ने अंडर-19 एशिया कप टूर्नामेंट के दौरान उनकी पारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया और युवा खिलाड़ी की उम्र पर सवाल उठाए हैं। वैभव ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की और जुनैद ने सवाल उठाया कि क्या 13 वर्षीय खिलाड़ी इतने बड़े छक्के लगाने में सक्षम है। वैभव प्रतियोगिता में भारत के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन श्रीलंका के खिलाफ रहा जहां उन्होंने 5 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 67 रन बनाए। जुनैद ने वैभव की उस पारी का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन लिखा - 'क्या 13 साल का बच्चा वाकई इतना लंबा छक्का मार सकता है?'

इससे पहले जब वैभव की वास्तविक उम्र के बारे में विवाद के बारे में पूछा गया तो उनके पिता संजीव सूर्यवंशी ने तुरंत स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा, 'जब वह साढ़े 8 साल का था, तो उसने पहली बार बीसीसीआई बोन टेस्ट दिया था। वह पहले ही भारत अंडर-19 खेल चुका है। हम किसी से नहीं डरते। वह फिर से आयु परीक्षण से गुजर सकता है।'' संजीव ने कहा कि बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी के 'आशीर्वाद' ने वैभव की यात्रा में हमेशा मदद की है। उन्होंने कहा, 'राकेश जी का आशीर्वाद बहुत है।' नीलामी में उनका आधार मूल्य 30 लाख रुपए था और दिल्ली कैपिटल्स ने शुरुआती बोली लगाई। राजस्थान ने 35 लाख रुपए में मैदान में प्रवेश किया और अंततः खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ने के लिए दिल्ली से बेहतर बोली लगाई।

शमी शामिल किये गये तो हर्षित राणा होंगे बाहर !

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार के बाद अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी को टीम में शामिल करने की मांग उठने लगी है। शमी आजकल घरेलू क्रिकेट खेलकर अपनी फिटनेस साबित करने का प्रयास कर रहे हैं। टीम प्रबंधन उन्हें पूरी तरह से फिट होने पर ही टीम में जगह देना चाहता है। कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि शमी को जल्दबाजी में शामिल कर वह कोई जोखिम नहीं लेना चाहेंगे। ऐसे में अगर पूरी तरह से फिट होने पर शमी को टीम में शामिल भी किया गया तो युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को बाहर बैठना पड़ सकता है। इसी दौरे पर डेब्यू करने वाले इस युवा ने अपनी गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया है पर अभी उन्हें काफी सुधार की जरूरत है। भारत ने दूसरे टेस्ट के लिए आर अश्विन को टीम में शामिल किया था पर वह भी कुछ खास असर नहीं छोड़ पाए। ऐसे में अश्विन की जगह वाशिंगटन सुंदर को टीम में जगह मिल सकती है।

वैसे भी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को देखते हुए भारतीय टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा बेहद अहम है। इस सीरीज में बड़ी जीत से टीम के फाइनल की उम्मीदें बनेंगी। इस कारण रोहित शर्मा ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम में शामिल किए जाने की बात कही. उनका कहना था कि टीम के दरवाजे दिग्गज के लिए हमेशा खुले हैं।

पहले टेस्ट में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 295 रनों से जीत दर्ज की थी पर दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर बल्लेबाजी और गेंदबाजी की कमजोरी सामने ला दी। इस हार के बाद तीसरे टेस्ट से पहले भारत को कई और मामलों पर भी विचार करना होगा. जिसमें अनुभवी विराट कोहली के साथ ही रोहित का खराब फॉर्म भी है। इस दौरान तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर बढ़ते बोझा पर भी चर्चा होगी. तीसरा टेस्ट ब्रिस्बेन में खेला जाएगा जो तेज और उछाल भरी पिचों के लिए जाना जाता है। ऐसे में भारतीय टीम में बदलाव होने की पूरी संभावना है।

ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर भारतीय टीम को अनुभवी शमी की कमी खली है। बुमराह के साथ दूसरी ओर से दवाब बनाने के लिए मोहम्मद सिराज और राणा पर्याप्त नहीं रहे। ऐसे में तीसरे टेस्ट के लिए टीम को एक अच्छे गेंदबाज की जरुरत है।

भारत की संभावित इलेवन

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी या हर्षित राणा या आकाश दीप, मोहम्मद सिराज

आईसीसी ने भ्रष्टाचार के मामले में सहायक कोच सनी ढिल्लों पर लगाया प्रतिबंध

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भ्रष्टाचार के मामले में दोषी पाये जाने पर एक फ्रेंचाइजी टीम के पूर्व सहायक कोच सनी ढिल्लों पर 6 साल का प्रतिबंध लगा दिया है। ये प्रतिबंध 13 सितंबर, 2023 से लागू होगा, जब ढिल्लों को अंतिम रूप से निलंबित किया गया था। ढिल्लों को अमीरात के भ्रष्टाचार रोधी न्यायाधिकरण द्वारा अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया था। कोच ढिल्लों उन आठ लोगों में शामिल थे जिन पर पिछले साल संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। ये आरोप 2021 अबू धाबी टी10 क्रिकेट लीग और उस टूर्नामेंट में मैचों में फिक्सिंग करने के प्रयासों से संबंधित हैं, जिन्हें आईसीसी , टूर्नामेंट के लिए ईसीबी की संहिता के लिए नामित भ्रष्टाचार रोधी अधिकारी (डीएसीओ) द्वारा असफल कर दिया गया था। पूरी सुनवाई और लिखित और मौखिक दलीलों की प्रस्तुति के बाद, न्यायाधिकरण ने ढिल्लों को दोषी पाया। अनपर मैचों या मैचों के पहलुओं को ठीक करने, उनका निर्माण करने या गलत तरीके से प्रभावित करने के प्रयास में भागीदार होना।

रिटेन नहीं होना चाहते थे ऋषभ : बदानी

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के कोच हेमांग बदानी ने कहा है कि ऋषभ पंत अपनी बाजार कीमत पता करना चाहते थे, इसलिए वह टीम के साथ बरकरार नहीं रहे जबकि टीम की ओर से उन्हें अपने साथ बनाये रखने की पूरी कोशिश की गयी। बदानी के अनुसर दिल्ली कैपिटल्स ने अपने कप्तान ऋषभ को साथ रखने का प्रयास किया पर वह अधिक हासिल करना चाहते थे। इसलिए मेगा नीलामी में उतरे। इस क्रिकेटर पर आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी बोली 27 करोड़ की लखनऊ सुपरजायंट्स ने लगाई। वहीं इससे पहले ऋषभ ने कहा था कि रिटेन नहीं होने का पैसे से कोई लेना-देना नहीं है। ऋषभ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा था कि उनके रीटेन नहीं होने के पीछे आर्थिक कारण नहीं है हालांकि यह इस क्रिकेटर ने तकरीबन डेढ़ महीने भी एक पोस्ट किया था, इसमें उन्होंने कहा था कि वे देखना चाहते हैं कि उन पर कितनी बड़ी बोली लगेगी। बदानी ने कहा, 'यदि आप किसी खिलाड़ी को रीटेन करना चाहते हैं तो दोनों को ही इसके लिए तैयार होना होता है। हमने उनसे बात करने की बहुत कोशिश की थी। प्रबंधन ने उनसे बात करने की बहुत कोशिश पर वह तैयार नहीं हुए।' उन्होंने कहा था कि वे ऑक्शन में जाना चाहते हैं, जिससे बाजार में उनकी कीमता का पता चल सके। उनको लगता था कि रीटेन किए जाने की अधिकतम राशि (18 करोड़) से उन्हें ज्यादा रकम मिल सकती है जो सही साबित हुआ।'

महिला जूनियर एशिया कप हॉकी : दीपिका की हैटिक से भारत ने मलेशिया को 5-0 से हराया

मस्कट (एजेंसी)। दीपिका की शानदार हैटिक से भारतीय हॉकी टीम ने महिला जूनियर एशिया कप के पूल ए में मलेशिया को 5-0 से हरा दिया। भारतीय टीम की ओर से दीपिका ने 37वें, 39वें और 48वें मिनट में तीन गोल किये वहीं वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने 32वें और कनिका सिवाच ने 38 वें मिनट में एक गोल किया। इस मैच में पहला हाफ गोलरहित रहा।

इसके बाद भारतीय टीम ने अंतिम दो क्वार्टर में बढ़त हासिल कर मैच पर कब्जा किया। भारतीय टीम इस मैच में अधिकतर समय हावी रही पर उसने गोल करने के कई मौके खोय। पहले क्वार्टर के अंत में उन्हें लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले पर टीम उन्हें गोल में नहं बदल पायी। दूसरे क्वार्टर में भी यही हाल रहा।

भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में लगातार चार गोल करके मैच में अपना दबदबा बना लिया। उसे 32वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला और इस बार, गोल करने के बजाय, पूजा साहू ने गेंद को थोड़ा बाईं ओर निर्देशित किया, जहां वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने गोल करने में गलती नहीं की। दूसरा गोल 37वें मिनट में हुआ जब ड्रैग-फ्लिकर दीपिका ने अपनी विशेषज्ञता का परिचय देते हुए गोलकीपर को छकाते हुए दमदार शॉट लगाया और बढ़त को बढ़ाया।

इसके ठीक एक मिनट बाद कनिका सिवाच ने मैदानी गोल किया। 39वें मिनट में मलेशिया की गोलकीपर ने फाउल किया, जिससे भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। दीपिका ने इसे गोल में बदल दिया। अंतिम क्वार्टर में भारत को 48वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और दीपिका ने एक गोल कर हैट्रिक पूरी की और मैच के अंत तक भारत का स्कोर 5-0 कर दिया।

एरिना सबालेंका ने डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी का पुरस्कार जीता

सेंट पीटर्सबर्ग (अमेरिका) । स्टार टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका को सोमवार को पहली बार डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने 2024 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी भी बनीं। टेनिस मीडिया के मतदान के अन्य परिणामों में ऐमा नवारो को सबसे अधिक सुधार करने वाली खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। पाउला बडोसा को साल में सर्वश्रेष्ठ वापसी करने वाली खिलाड़ी और लुलु सन को साल की सर्वश्रेष्ठ नयी खिलाड़ी चुना गया। सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी को साल की सर्वश्रेष्ठ युगल टीम चुना गया। सबालेंका ने 2024 में जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन और सितंबर में अमेरिकी ओपन के साथ इस सत्र में दो अन्य खिताब जीते। उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 56-14 रहा। उन्होंने लगभग एक करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि जीती। उन्होंने अक्टूबर में ईगा स्वियातेक को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग हासिल की।

रोहित से तीसरे टेस्ट में पारी की शुरुआत कराना सही नहीं : डोड्डा गणेश

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज डोड्डा गणेश ने कहा है कि तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा से पारी की शुरुआत कराना सही नहीं होगा। भारतीय टीम के कप्तान रोहित दूसरे टेस्ट में मध्यक्रम पर उतरे थे और उसमें असफल रहे थे। ऐसे में कुछ दिग्गजों का ये भी मानना है कि रोहित अनुभवी सलामी बल्लेबाज हैं, इसलिए पारी उनसे ही शुरु करने को कहना चाहिये। वहीं डोड्डा का कहना है कि इस प्रकार की गलती नहीं करनी चाहिये क्योंकि रोहित फार्म में नहीं है जिससे उनका मनोबल भी घट हुआ है। ऐसे में उन्हें पारी शुरु करने को कहना जोखिम भरा होगा। इस पूर्व क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर कहा कि रोहित पहले से ही आत्मविश्वास और रन की कमी से जूझ रहे हैं और ऐसे में उनसे गाबा में पारी शुरु करने का आग्रह करना मूर्खतापूर्ण होगा। ये सीरीज उपमहाद्वीप में नहीं खेली जा रही है जहां वह असानी से कुछ रन बना सकें। वैसे भी ऑस्ट्रेलिया में रोहित का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है।

उनका यहां औसत 30 ही है। एक सलामी बल्लेबाज के रूप में उनका औसत 37.8 है पर वह इस जगह पर ज्यादा बढ़ी पारियां नहीं खेल पाए हैं। अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा की पिच भी अलग तरीके की चुनौतियां लेकर आएगी। ब्रिस्बेन पिच पर उछाल और गति पर पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क के नेतृत्व वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे ट्रैक पर भारतीय बल्लेबाजों से सटीक फुटवर्क की मांग होनी थी पर ऐसा हो नहीं पाया। रोहित की खराब फॉर्म ने चिन्ता को और बढ़ा दिया है। वह पहले टेस्ट से बाहर रहे थे जबकि दूसरे टेस्ट में केवल 3 और 6 का स्कोर ही बना पाए थे। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी वह असफल रहे थे।

तीसरे टेस्ट में हर्षित की जगह कृष्णा को शामिल करें - हरभजन

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज हर्षित राणा की जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा हैं को शामिल किया जाना चाहिये। हरभजन का कहना है कि हर्षित दूसरे टेस्ट में प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिए थे। हरभजन के अनुसार एडिलेड ओवल के खिलाफ दूसरे मैच में हर्षित मार्नस लाबुशेन और ट्रैविस हेड पर अंकुश नहीं लगा पाये और उनकी गेंदों पर काफी रन बने। वहीं रोहित शर्मा इससे सहमत नहीं हैं उनका कहना है कि किसी खिलाड़ी का दो टेस्ट के आधार पर आंकलन नहीं किया जा सकता है। रोहित ने हर्षित का बचाव करते हुए कहा कि उसने कोई गलती नहीं की है। ऐसे में उसको कैसे बाहर कर दें। साथ ही कहा, सिर्फ दो मैचों के बाद खिलाड़ियों को बाहर करना सही नहीं है। वह सिस्टम में नए हैं पर पहले टेस्ट में उन्होंने अच्छी गेंदबाजी कर अपनी प्रतिभा दिखायी है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने दूसरे मैच में उनके अनुभव की कमी का फायदा उठाकर रन बनाये और ऐसा किसी भी नये खिलाड़ी के साथ भी हो सकता है। मुझे लगता है कि हमें अपने खिलाड़ियों का समर्थन करने की जरूरत है। दूसरी ओर हरभजन राणा को एक और मैच खिलाये जाने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं पहले टेस्ट के लिए उनके पक्ष में नहीं था, लेकिन टीम प्रबंधन ने उन्हें आगे बढ़ाया। आपके पास बेंच पर बैठे कृष्णा हैं और उन्हें तीसरे टेस्ट में मौका मिलना चाहिए। वह अच्छे गेंदबाज हैं।

साई सुदर्शन की सफल सर्जरी हुई, बीसीसीआई और गुजरात टाइटन्स को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत के युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने सफल सर्जरी के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स को धन्यवाद दिया। सुदर्शन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए तमिलनाडु का उप-कप्तान बनाया गया था और उन्होंने इंदौर में त्रिपुरा के खिलाफ ग्रुप बी मैच में अपना अंतिम प्रदर्शन किया। तमिलनाडु ने 43 रनों से मैच जीता और वे नौ गेंदों पर नौ रन बनाने में सफल रहे।

गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाज चोट के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों से बाहर हो गए थे, इसलिए यह उनका अंतिम मैच था। ग्रुप बी में पांचवें स्थान पर रहने के बाद तमिलनाडु ग्रुप राउंड से आगे नहीं बढ़ पाया। सुदर्शन ने एक्स पर लिखा, 'कुछ ही समय में मजबूत होकर वापसी करूंगा। मेडिकल टीम और बीसीसीआई को उनके प्रयासों और समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। टाइटन्स परिवार, आपके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद।'

सर्जरी से पहले सुदर्शन ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के दौरान इंडिया ए टीम के साथ धूम मचा रहे थे। नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए 23 वर्षीय खिलाड़ी ने सीरीज के पहले मैच में शानदार शतक लगाकर अपनी क्लास दिखाई। 103 रनों की उनकी संयमित पारी ने भारत की सीनियर टीम के लिए एक दीर्घकालिक उम्मीदवार के रूप में उनकी क्षमता को रेखांकित किया। हालांकि, चयनकर्ताओं ने पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में सीनियर टीम के पहले टेस्ट में नंबर 3 स्थान को भरने के लिए अंततः देवदत्त पडिक्कल को चुना।

भारत ए को सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सुदर्शन का योगदान उल्लेखनीय रहा। उन्होंने 31.75 की औसत से 127 रन बनाए जिससे भविष्य के सितारे के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई। सुदर्शन पहले ही भारत के लिए तीन वनडे और एक टी20I खेल चुके हैं। पिछले दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी वनडे डेब्यू सीरीज के दौरान, उन्होंने लगातार दो अर्धशतक लगाकर प्रभावित किया जिसमें उनका औसत 63.50 रहा। पिछले महीने IPL 2025

की नीलामी से पहले गुजरात टाइटन्स ने सुदर्शन को 8.5 करोड़ रुपए में रिटेन किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समय तेजी से करवट ले रहा है तथा लोगों के जीवन में जटिलताएं भी निरंतर बढ़ती जा रही हैं। परेशानी एवं जटिलता भरे इस माहौल में भी लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति तथा अपने खान-पान एवं परहेज संबंधित समस्याओं को लेकर जागरूक हैं तथा इनके समाधान के लिए आतुर रहते हैं। उनकी तमाम समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं न्यूट्रीशनिस्ट।

स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखता है

न्यूट्रीशनिस्ट

एक सामान्य जीवन व्यतीत करने वाले नागरिक से लेकर खिलाड़ियों के लिए जरूरी फूड सप्लिमेंट तक का उपाय इन्हीं न्यूट्रीशनिस्टों के जरिए होता है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि न्यूट्रीशन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए फूड एवं अन्य पदार्थों को नियंत्रित करने का विज्ञान है। आज यह अपनी उपयोगिता के चलते नये प्रोफेशन का रूप अख्तियार कर चुका है। एक न्यूट्रीशनिस्ट का काम जीवन के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए खान-पान के तौर-तरीकों तथा अच्छे स्वास्थ्य के मद्देनजर जरूरी चीजों को बढ़ावा देना होता है। यह सारी क्रियाविधि मनुष्य की उम्र पर निर्भर करती है। इसके अलावा उनके रूटीन, बीमारी तथा कार्य के स्वरूप को देखते हुए खाद्य पदार्थों की रूपरेखा तय की जाती है। यह सुखद संकेत है कि न्यूट्रीशन के सिद्धांतों एवं परिकल्पनाओं के जरिए लोगों के अंदर व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। न्यूट्रीशनिस्ट अपने ज्ञान एवं शोधों के द्वारा खाद्य पदार्थों की सूची तैयार करता है तथा उस आधार पर उसे हॉस्पिटल, फिजिकल ट्रेनिंग कैम्प, पर्वतारोहियों आदि के लिए निर्धारित करता है। इन खाद्य पदार्थों में विटामिंस, मिनरल्स, आयरन आदि होते हैं, जो मनुष्य के लिए आवश्यक होते हैं। पाचन क्रिया के अध्ययन व शोधों से यह पता चला है कि शरीर में अधिकांश रिएक्शन एवं शारीरिक परेशानियां संतुलित आहार न लेने से होती हैं। इन बीमारियों में डायबिटीज, लीवर व पेट संबंधी समस्याएं शामिल हैं। यदि ये न्यूट्रीशनिस्ट किसी प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग संस्थान में कार्यरत हैं तो वे अपनी प्लानिंग एवं शोधों के जरिए नए उत्पाद के सृजन की कोशिश करते हैं। वास्तव में ये न्यूट्रीशनिस्ट स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बारहवीं के बाद रखें कदम

न्यूट्रीशन के फील्ड में जो भी करियर ऑप्शन हैं, वे ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट बनने के बाद ही सामने आते हैं। इसके लिए लोगों को होम साइंस, न्यूट्रीशन, फूड साइंस/ टेक्नोलॉजी से संबंधित कोर्स करने अनिवार्य हैं। बैचलर कोर्स (न्यूट्रीशन एवं डायटीशियन) के लिए छात्र को विज्ञान विषयों (फिजिक्स, कैमिस्ट्री, होम साइंस एवं बायोलॉजी) में पास होना अनिवार्य है। तभी बीएससी इन होम साइंस तथा अन्य बैचलर प्रोग्राम जैसे फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेडिसिन, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी से संबंधित अन्य विषयों को भी शामिल किया जाता है। कुछ ऐसे भी संस्थान हैं जो 10+2 के पश्चात चार वर्षीय फूड टेक्नोलॉजी कोर्स कराते हैं, जबकि पोस्ट ग्रेजुएट लेवल पर न्यूट्रीशन का डायटीशियन से संबंधित कोर्स या तो दो वर्ष का है या फिर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (1 वर्षीय) के रूप में है। पीजी तथा पीजी डिप्लोमा कोर्स करने के लिए फूड साइंस, होम साइंस, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, बायो कैमिस्ट्री तथा मेडिसिन में बैचलर होना आवश्यक है। एमएससी इन होम साइंस भी इसी स्तर पर किया जाता है। इसके बाद पीएचडी का रास्ता खुलता है।

सिलेबस भी है कुछ खास

न्यूट्रीशन से संबंधित कोर्सों का सिलेबस काफी फैला हुआ तथा रुचिकर है। स्कूली स्तर से लेकर मास्टर एवं रिसर्च लेवल तक का पाठय़क्रम बताता है कि स्कूलों में न्यूट्रीशन प्रोग्राम के अंतर्गत स्वस्थ खाना एवं उसके फायदे, स्वास्थ्य की जरूरत, मेन्यू डिजाइनिंग, बच्चों में फैट की मात्र, कुकिंग वर्कशॉप तथा प्रकृति के प्रति सहानुभूति दर्शाई जाती है। इसी तरह से एमएससी होम साइंस के सिलेबस में बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन संबंधी रिसर्च, फिजियोलॉजी, बायोस्टेटिस्टिक, मनुष्य की न्यूट्रीशन की आवश्यकता, माइक्रोबायोलॉजी, प्रिंसिपल ऑफ फूड साइंस के अलावा अंतिम वर्ष तक ह्यूमन न्यूट्रीशन एंड डायटेक्टिक, इंस्टीटयूशनल मैनेजमेंट एवं फूड साइंस शामिल किया जाता है, जबकि एक वर्षीय डिप्लोमा इन डायटेक्टिस एंड पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन (डीडीपीएचएन) के अंतर्गत तीन माह की कंपलसरी इंटर्नशिप दी जाती है। यह इंटर्नशिप किसी हॉस्पिटल या योग्य डायटीशियन के अंडर कराई जाती है। इसमें बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन, अप्लाइड फिडियोलॉजी, फूड माइक्रो बायोलॉजी, एडमिनिस्ट्रेशन, थिरैप्टिक न्यूट्रीशन तथा पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन आते हैं।

खान-पान में अभिरुचि जरूरी

एक अच्छे न्यूट्रीशनिस्ट की रुचि खानपान एवं उसे तैयार करने में अवश्य होनी चाहिए। तभी वह इस फील्ड की बारीकियों को समझ पाएगा। समूह में अथवा व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को अपने बोलने की कला से बांधे रखने (कम्युनिकेशन स्किल्स), विभिन्न रिपोर्ट तैयार करने का कौशल तथा पोस्टर, बैनर लिखने संबंधी ज्ञान भी कदम-दर-कदम काम आता है। उनकी वाणी में मिठास हो तथा मरीज के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाने की कला जानते हों। किसी भी संगठन के लिए प्लानिंग एवं इनके प्रशासनिक कार्यो को संभालने के साथ ही शारीरिक रूप से फिट तथा एक टीम लीडर की भांति काम करने का जज्बा सफलता का पैमाना तय कर सकता है। विज्ञान में अभिरुचि तथा उत्तरदायित्व जैसे गुणों को भी एक न्यूट्रीशनिस्ट के अंदर परखा जाता है।

क्या काम है न्यूट्रीशनिस्ट का

एक न्यूट्रीशनिस्ट का कार्य क्षेत्र काफी फैला हुआ है। फूड की प्लानिंग, न्यूट्रीशन प्रोग्राम तैयार करने, बीमारियों तथा जंक फूड से बचाने, पोषक गुणों से युक्त खाना खाने को प्रेरित करने से लेकर फूड सर्विस सिस्टम को प्रमुख संस्थानों जैसे स्कूल, हॉस्पिटल आदि जगहों पर प्रमोट करने संबंधी सभी कार्य इनके जिम्मे होते हैं। कुछ प्रमुख कार्य क्षेत्र इस प्रकार हैं-

क्लीनिकल डाइटीशियन- इनका कार्य किसी हॉस्पिटल, नर्सिग केयर सेंटर अथवा अन्य संस्थानों में मरीजों को न्यूट्रीशन से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना है। वे पता लगाते हैं कि मरीज को न्यूट्रीशन की कितनी आवश्यकता है तथा उसे किस रूप में इसे दिया जा सकता है। इसके बाद मिलने वाले परिणामों तथा डॉक्टर के साथ न्यूट्रीशन संबंधित आश्यकताओं पर चर्चा करते हैं।

कम्युनिटी डाइटीशियन - इनकी प्रमुख भूमिका व्यक्तिगत अथवा समूह के रूप में हैल्थ को बढ़ावा देने के लिए न्यूट्रीशन प्रैक्टिस को कारगर बनाना है। इनके काम करने का स्थान मुख्यत- पब्लिक हैल्थ क्लीनिक, होम हैल्थ एजेंसी तथा हैल्थ मेंटीनेंस ऑर्गेनाइजेशन है। कम्युनिटी डाइटीशियन किसी भी व्यक्ति अथवा उसके परिवार की डाइट को समझने, न्यूट्रीशन केयर प्लान तैयार करते हैं।

मैनेजमेंट डाइटीशियन - ये किसी भी कंपनी, स्कूल, कैफिटेरिया अथवा बड़े पैमाने पर हैल्थ केयर से संबंधित सुविधाओं की प्लानिंग करते हैं तथा उन्हें तैयार भी करते हैं। इसके लिए वे सीधे तौर पर या कड़ी के रूप में डाइटीशियन, फूड सर्विस वर्कर को अनुबंधित करते हैं। बजट, जरूरी उपकरणों, गुलेशन आदि कार्य भी इन्हीं के जिम्मे होता है।

कंसल्टेंट डाइटीशियन - ये प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए लोगों को हैल्थ केयर सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। ये अपने क्लाइंट्स को वेट कम या अधिक करने, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखने जैसे कार्यो की स्क्रीनिंग करते हैं। कुछ तो वेलनेस प्रोग्राम, स्पोर्ट्स टीम, सुपर मार्केट एवं अन्य न्यूट्रीशन से संबंधित बिजनेस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कोचिंग संस्थान - न्यूट्रीशनिस्ट के लिए कोई कोचिंग सेंटर जैसी संस्था नहीं है। इसके लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट जगह-जगह वर्कशॉप, सेमिनार का आयोजन कर पेशे तथा इस फील्ड के प्रति जागरुकता फैलाते हैं। विदेशों में इससे संबंधित कई कोचिंग सेंटर कार्यरत हैं। छात्र अपनी जिज्ञासा के समाधान के लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट या काउंसलर की मदद ले सकते हैं।

स्कॉलरशिप - कई प्रमुख संस्थान छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं। इनमें कुछ तो कोर्स के दौरान प्रदान की जाती हैं तो कुछ पीएचडी के दौरान जेआरएफ के रूप में दी जाती हैं। नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ न्यूट्रीशन, हैदराबाद द्वारा हर साल 7-10 छात्रों को जेआरएफ प्रदान की जाती है। इसके अलावा अधिकांश संस्थान अपने छात्रों को स्कॉलरशिप अथवा फीस में छूट संबंधी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

वेतन - मुख्य तौर पर एक न्यूट्रीशनिस्ट का वेतन उसके कार्य एवं कार्य-क्षेत्र पर निर्भर करता है। फिर भी किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में बतौर ट्रेनी-न्यूट्रीशनिस्ट ज्वॉइन करने पर 5,000 रु. प्रति माह तथा एक से दो साल का अनुभव होने पर 10,000-12,000 रुपए हर महीने मिलते हैं। जो प्रोफेशनल फील्ड, टीचिंग एवं फूड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में काम करते हैं, उन्हें आकर्षक सेलरी मिलती है, जबकि कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए पैसा व शोहरत दोनों कमा सकते हैं।

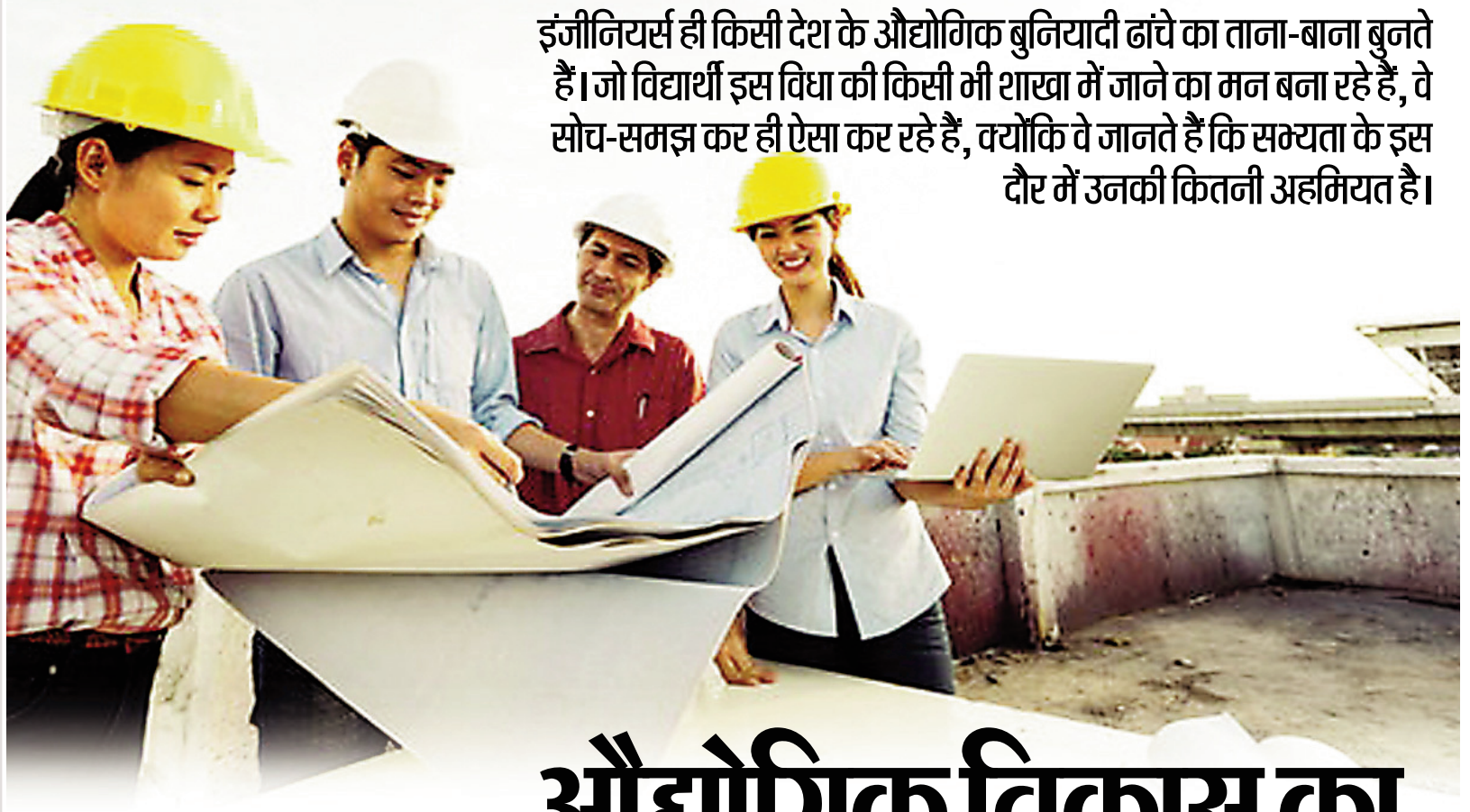

इंजीनियर्स ही किसी देश के औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे सोच-समझ कर ही ऐसा कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

औद्योगिक विकास का ताना-बाना बुनते इंजीनियर्स

कुछ साल पहले तक जब करियर के इतने विकल्प नहीं थे, बच्चों को इंजीनियर बनाने का सपना मां-बाप के लिए सुनहरे कल का सपना होता था। चाहे कितनी ही परेशानी क्यों न उठानी पड़े, एक बार इंजीनियरिंग कॉलेज की कक्षाओं में पहुंच गए तो तकलीफें आने वाले दिनों में बरबस मुसकराने का माध्यम बन जाती थीं। आज भी न तो इस विधा की मांग में कमी आई है और न ही इसकी प्रतिष्ठा में। इतना जरूर हुआ है कि इंजीनियरिंग की जिन शाखाओं में पहले कम विद्यार्थी जाते थे, उनमें भी करियर की वही ऊंचाई दिखने लगी है, जिसके लिए इसे जाना जाता है।

इंजीनियरिंग (अभियांत्रिकी) दरअसल किसी भी वैज्ञानिक खोज और उसके व्यावसायिक अनुप्रयोग के बीच एक कड़ी के रूप में होती है और उसी रूप में वह तमाम भावी इंजीनियरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी हुई है। विज्ञान और गणित की सहायता से उपयोगी चीजों का निर्माण करने में ही इंजीनियरिंग की सार्थकता छिपी हुई है, यह किसी से नहीं छिपा है। यह एक ऐसी विशेषज्ञता प्रदान करती है, जिसके सहारे अवसरों के तमाम रास्ते खुल जाते हैं। इंजीनियर्स ही तो किसी देश की प्रौद्योगिकी व औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। ये क्या नहीं करते- सड़क इनके बिना नहीं बनती, पुल नहीं बन पाते, भवनों का निर्माण नहीं होता, मशीनों का अस्तित्व नहीं होता, छोटे उपकरणों से लेकर हवाई जहाज तक तैयार नहीं होते, कार-कंप्यूटर-मोबाइल जिनके बिना इक्कीसवी सदी का आना फीका होता, इनके बिना नहीं बनते। कहने का तात्पर्य यही है कि प्रगति और खुशहाली का आधार इंजीनियरिंग ही है। यही वजह है कि बारहवीं की पढ़ाई पूरी करते ही इस दिशा में बढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या काफी बड़ी होती है। इंजीनियर किसी भी किस्म की मशीनरी, प्रोडक्ट, सिस्टम और प्रोसेस के डिजाइन व डेवलपमेंट के लिए काम करते हैं। किसी भी प्रोजक्ट पर कितना समय लगेगा, कितना खर्च आएगा, क्या उपकरण लगेंगे, कैसे-कैसे उसका काम आगे बढ़ेगा, इन सबके पीछे उनका ही दिमाग होता है। आज इंसान के जीवन को आसान बनाने के लिए जो कुछ भी सामने आ रहा है, वह इन इंजीनियर्स की ही मेहनत का परिणाम है। ड्राइंग टेबल पर पसरी रेखाओं में भविष्य का कौन-सा उत्पाद छिपा है, यह इंजीनियर ही बता सकता है। जाहिर है ये इंडस्ट्रियल प्लांट में काम करते हैं, प्रयोगशालाओं में काम करते हैं, निर्माण स्थलों पर होते हैं, कार्यालयों में किसी अवधारणा के हर पहलू से जूझ रहे होते हैं। ये नहीं होते तो गगनचुम्बी इमारतें नहीं बनतीं, समन्दर की लहरों पर या गहराई में चलना नामुमकिन होता, आकाश में उड़ने की तो सोची ही नहीं जा सकती थी, कंप्यूटर कहां से आता, गेम कहां से बनते, बटन दबाते ही अमेरिका तो छोड़िए पास के शहर में किसी से बात नहीं हो पाती। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे नाहक ऐसा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

विशेषज्ञता

इंजीनियरिंग की परंपरागत दो शाखाओं- सिविल और मैकनिकल- से आगे निकलते हुए आज इसकी विभिन्न शाखाएं प्रमुखता में हैं।

एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में इसकी सख्त जरूरत है। कृषि से जुड़े उपकरणों के डिजाइन व निर्माण, सिंचाई व फार्म मशीनरी के लिए उपकरणों के डिजाइन व निर्माण से जुड़ी होती है यह शाखा।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

आकाश मार्ग से जाना इनके बिना संभव नहीं। हवाई जहाज का डिजाइन कैसा हो कि आसानी से उड़ सके, मौसम को झेल सके, इन सब पर इसमें काम होता है। इस बात पर काफी काम होता है कि हवाई जहाज के भीतर की स्पेस कैसी हो कि ज्यादा लोग भी बैठ सकें और उड़ान में कोई दिक्कत भी न आए।

कैमिकल इंजीनियरिंग

रसायनों की दुनिया बड़ी विचित्र होती है। किसके मेल से क्या बन जाएगा, यह तो कैमिकल इंजीनियर ही बता सकता है। दवाइयां, फूड प्रोसेसिंग, पेंट, टेक्सटाइल, खाद, सौन्दर्य प्रसाधन, साबुन, तेल जैसे कार्यों से जुड़ी कंपनियों में इनकी जरूरत होती है, ताकि वे शोध से रसायनों को उपयोगी व गैर-हानिकारक बना सकें।

सिविल इंजीनियरिंग

सिविल इंजीनियरिंग की ही बदौलत ये सड़कें हैं, जिन पर तेजी से चलते हुए हम विकास कर रहे हैं, इमारतें हैं, जिनमें रहने से लेकर कार्यालयों का मामला जुड़ा है, पुल हैं, जिनके बिना नदी-नाले-पहाड़-समन्दर कुछ भी पार करना असंभव होता। और तो और अपवहन प्रणाली (ड्रेनेज सिस्टम) इनके बिना नहीं बनती और शहरों का क्या हाल होता, आज आसानी से समझा जा सकता है। हड़प्पा काल तक के लोगों ने जब इनकी अहमियत समझी तो आज तो इनके बिना एक पल नहीं रहा जा सकता।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग

आज कंप्यूटर का जमाना है, इस बात से कोई इनकार नहीं करेगा। लेकिन कंप्यूटर की सहायता से आज जो कुछ हो रहा है, वह इसके इंजीनियरों का ही तो कमाल है, जो इसके डिजाइन, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर पर बड़ी बारीकी से काम करते हैं और तब जाकर कहीं एक ऐसी प्रणाली बन पाती है, जिसके सहारे काम आसान हो पाते हैं।

एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग

पर्यावरण ही तो हमारे जीवन के लिए सबकुछ है। यदि यह दूषित-प्रदूषित है तो हमारे लिए खतरा है। इससे जुड़े इंजीनियर उन परेशानियों को चिह्नित करते हैं और उनका समाधान ढूंढ़ते हैं। हवा-पानी की स्वच्छ उपस्थिति को सुनिश्चित करना, ग्रीन हाउस उत्सर्जन को नियंत्रित रखना, पेड़-पौधे बनाए रखना, ये सब इन्हीं का तो काम है।

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मशीनरी, टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम, रेडियो, टीवी इत्यादि के डिजाइन, निर्माण व चलाने में इनकी भूमिका होती है। इनके बिना ऐसा नहीं हो पाएगा कि इस क्षेत्र में बेहतर से बेहतर उपकरण बनाए जाएं।

मरीन इंजीनियरिंग

समन्दर की सतह पर या फिर गहराइयों में उतरने के लिए जिन जहाजों, उपकरणों व अन्य मशीनरियों की जरूरत होती है, मरीन इंजीनियर इनसे जुड़ी हर बात पर खोज करते हैं, सुधार करते हैं और संसार को खारे पानी के साथ मीठा बर्ताव करना संभव बनाते हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग

आज जितनी भी मशीनरियां हैं और जिनके बिना अब काम करना कठिन लगने लगता है, वे सब मैकेनिकल इंजीनियर्स की डिजाइन क्षमता, निर्माण, प्रचालन व रख-रखाव संबंधी कौशल की बदौलत हैं।

माइनिंग इंजीनियरिंग

जमीन के भीतर छिपे खनिजों को बाहर निकालने के लिए जो कुछ करना पड़ता है, वह इन इंजीनियर्स की ही देन है। जमीन के नीचे सुरंग बनाने से लेकर खनिजों को बाहर निकालने तक का काम इनके सहारे चलता है।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

आज पेट्रोलियम उत्पादों की जरूरत इतनी बढ़ गई है कि उनके बिना विकास का पहिया रुकने का खतरा है। तेल भंडारों की खोज करना, तेल को निकालना, रिफाइनरी तक सुरक्षित पहुंचाना इस शाखा में आता है।

जाहिर है इंजीनियरिंग की इन व अन्य तमाम शाखाओं में करियर डिजाइन की संभावनाएं मौजूद हैं। जरूरत है तो इस बात की सही समय पर, सही तरीके से तैयारी कर इंजीनियरिंग की परीक्षा दी जाए और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाई जाए।

नौकरी के अवसर

इंजीनियर्स के लिए अवसरों की कमी नहीं है। वे केंद्र सरकार या राज्य सरकार की नौकरी कर सकते हैं, सार्वजनिक उपक्रमों में काम कर सकते हैं, रक्षा सेवा में जा सकते हैं, निजी संस्थानों में काम कर सकते हैं, पावर प्लांट्स, अस्पतालों या बैंकों में काम कर सकते हैं या फिर अपनी कंसल्टेंसी खोल सकते हैं। इंजानियरिंग एक ऐसा कौशल है, जिसे जितने बड़े फलक पर आजमाया जाएगा, उतना ही बेहतर परिणाम मिलेगा। उदाहरण के लिए मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजानियर्स के लिए अधिक अवसर हैं, बनिस्पत मरीन व सेरेमिक इंजीनियर्स के। सरकार भी अलग-अलग परीक्षाओं के माध्यम से सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन शाखाओं में इंजीनियर्स की भर्ती करती है।

वेतन

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद जितने अवसर मिलते हैं, वे अलग-अलग शाखाओं के हिसाब से वेतन या आमदनी का जरिया बनते हैं। सिविल इंजीनियरिंग से लेकर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग तक, मरीन इंजीनियरिंग से लेकर कंप्यूटर इंजीनियरिंग तक, सबकी अपनी मांग है और 10,000 रुपये प्रति माह से लेकर 30,000 रुपये प्रति माह की तनख्वाह मिल सकती है। अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी अनुभव के साथ-साथ आमदनी बढ़ती जाती है। अपनी कंसलटेंसी का तो कोई वेतन जैसा गणित नहीं है, लेकिन काम जम जाने के बाद मामला लाखों-करोड़ों तक जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आप नेता सत्येंद्र ने बांसुरी स्वराज के खिलाफ दायर किया मानहानि का मुकदमा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने भारतीय जनता पार्टी की सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया है। आप नेता जैन का दावा है कि स्वराज ने एक टेलीविजन इंटरव्यू के दौरान झूठे आरोप लगाए, जिससे उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा है। झूठे आरोप लगाने का दावा करते हुए आप नेता जैन ने कहा है कि बांसुरी स्वराज ने एक टीवी इंटरव्यू में आरोप लगाते हुए कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सत्येंद्र जैन के आवास से 3 करोड़ रुपये नकद, 1.8 किलो सोना, 133 सोने के सिक्के बरामद किए हैं। जिसके बाद आप नेता जैन ने बयान देते हुए इन सारे आरोपों को पूरी तरह झूठा और निराधार बताया। उन्होंने कहा कि ये राजनीतिक रूप से प्रेरित बयान उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए दिए गए थे। ऐसे में जैन ने राउज एवेन्यू कोर्ट में मानहानि की याचिका दायर की है। कोर्ट इस मामले पर सुनवाई कर रही है और 16 दिसंबर को यह तय करेगी कि इस याचिका पर आगे की कार्रवाई की जाए या नहीं।

जम्मू-कश्मीर : बारूदी सुरंग में धमाके में सेना का हवलदार शहीद

- एलओसी के पास गश्त के दौरान हुआ था धमाका

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मंडी तहसील में सोमवार देर रात एक बारूदी सुरंग में धमाके के चलते भारतीय सेना के एक हवलदार की शहादत हो गई। इस दुखद घटना के दौरान सेना का एक दस्ता एलओसी के पास गश्त कर रहा था जब धमाका हुआ। धमाके के बाद शहीद हवलदार को कई जख्म आए। उनके परिवार को इस दर्दनाक चुनौती का सामना करना पड़ा है। भारतीय सेना ने शहीद हवलदार को गहरी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। सेना ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है ताकि इस तरह की दुखद घटनाओं को रोका जा सके। इस घटना ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की कठिनाइयों को उजागर किया है। शहीद हवलदार की पहचान वी सुबिवाह के रूप में हो रही है और उन्हें देशभक्ति और बलिदान के साथ याद किया जा रहा है। उनकी पराक्रमशीलता और वीरता को सेना ने सराहा है और उनका बलिदान कभी नहीं भूला जाएगा। इस दुखद घटना ने हमें यह याद दिलाया है कि हमारे सेना जवानों द्वारा की गई परिश्रम और त्याग की महत्वपूर्णता। हम सभी सेना जवानों के साथ खड़े हैं और उनके बलिदान को सराहना करते हैं। शहीद हवलदार वी सुबिवाह की आत्मा को शांति मिले।

दौसा में 160 फुट गहरे बोरवेल में गिरा 5 साल का आर्यन

- 16 घंटे में भी रेस्क्यू नहीं कर पाई टीम

दौसा । पापड़दा के कालीखाड़ की दांगडा ढाणी में सोमवार शाम को 160 फुट गहरे बोरवेल में गिरे बालक को अभी तक निकाला नहीं जा सका है। एसडीआरएफ, अजमेर की एनडीआरएफ टीम के साथ जयपुर से आई एक्सपर्ट ने मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है। खुदाई में लगे मशीनों के साथ उनके परिवार और सामुदायिक सहयोग से बच्चे को बचाने की कोशिश की जा रही है। ऑपरेशन की दौड़ में बच्चे का मूवमेंट कैमरे पर देखा गया, जिसमें उसने प्रयास किया रस्सी पकड़ने का। एनडीआरएफ ने देसी जुगाड़ भी तैयार किया, जिसमें हैंडपंप की रॉड बनाई गई। रात के ठंडे मौसम में, रेस्क्यू टीम ने वायु, भूतपूर्व कर्मचारी और स्थानीय लोगों की मदद से बच्चे की सुरक्षित निकालने के लिए कोशिश की। आर्यन के पिता ने बताया कि उनका बेटा खेत में खेल रहा था जब उसके पैर फिसलकर बोरवेल में गिर गया। बोरवेल का गहराई मामूली पहाड़ से भी अधिक है, लेकिन बच्चे को निकालने की नकारात्मक संभावनाएं हैं। यह प्रकरण एक महत्वपूर्ण संदेश है कि गांवों में स्थानीय सुरक्षा को और भी मजबूत करने की जरूरत है। इस घटना से व्यवस्थाएं और संवेदनशीलता में सुधार की आवश्यकता को सामने लेकर, सुरक्षा परिस्थितियों को सुधारने के लिए नकारात्मक कलंकों को दूर करने की जरूरत है। साथ ही इस घटना ने उत्तेजना और सामुदायिक इकट्ठा में एकता का महत्व भी साबित किया है। लोग एक साथ आए हुए हैं, चाहे वे पुलिस अफसर हों या सामुदायिक सदस्य, सबका पारिवारिक अभिवादन है कि वे एक योजना बना सकते हैं और साथ मिलकर किसी भी परिस्थिति में मदद कर सकते हैं। इस अद्वितीय परिस्थिति में हमें एक-दूसरे के साथ सहायता में उतावले रहने की आवश्यकता है ताकि हम पुनर्निर्माण के मार्ग पर आगे बढ़ सकें।

लालू और शरद पवार ने ममता का समर्थन किया

- आने वाले चुनावों में राजनीतिक स्थिति में नए परिवर्तन की संभावना

पटना । बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने आईएनडीआईए के नेतृत्व के लिए विभाजित मतों के बीच ममता बनर्जी का समर्थन किया है। लालू ने दावा किया कि वे 2025 में पुन- सत्ता में आएंगे और ममता को आईएनडीआईए का नेतृत्व देना चाहिए। इसके साथ ही शरद पवार ने भी ममता बनर्जी के पक्ष में अपनी समर्थनभरी भाषा का प्रयोग किया। उन्होंने ममता को एक प्रमुख नेता और गठबंधन के लिए कुशल माना। ममता बनर्जी, जिन्होंने हाल ही में गठबंधन के नेतृत्व और समन्वय की सहायता की थी, ने अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उन्होंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, लेकिन अब उन्हें उन लोगों पर निर्भर है जो इसका प्रबंधन कर रहे हैं। यह समर्थन और निराशा की भाषा राजनीतिक संक्षेप में एक नया चरित्र दर्शाती है, जिससे आने वाले चुनावों में राजनीतिक स्थिति में नए परिवर्तन की संभावना है। हाल ही में मीडिया से बात करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने गठबंधन के नेतृत्व और समन्वय को लेकर निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, अब इसका प्रबंधन करना उन लोगों पर निर्भर है जो इसका नेतृत्व कर रहे हैं। अगर वे इसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं बस यही कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलने की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार कहा- रोजगार पर ध्यान क्यों नहीं है कब तक मुफ्त में राशन बांटोगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोजगार के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जमकर फटकार लगाई। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने यहां तक कह दिया कि मुफ्त में राशन बांटना कोई समाधान नहीं है। बेहतर होगा की श्रमिकों और युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के विकल्प खोजे जाएं। मुफ्त की रेवड़ियों से किसी का भला होने वाला नहीं है।

सीधे तौर पर प्रवासी मजदूरों से जुड़े एक मामले में वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि ई-श्रमिक पोर्टल पर पंजीकृत मजदूरों को मुफ्त राशन मिलना चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुफ्त राशन देने के बजाय हमें इन मजदूरों के लिए रोजगार के मौके और कौशल निर्माण पर काम करना चाहिए। कोर्ट ने कहा, फ्रीबीज़ कब तक दिए जाएंगे? क्यों न हम इन प्रवासी मजदूरों के लिए रोजगार के अवसर, रोजगार और क्षमता निर्माण पर काम करें? कोर्ट ने जोर देते हुए कहा कि राशन का वितरण एक अस्थायी समाधान हो सकता है, जबकि रोजगार और कौशल विकास से एक स्थायी समाधान मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों द्वारा मुफ्त सुविधाओं की वितरण नीति पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि फ्री की रेवड़ी कब तक बांटी जाएगी, और यह भी कि क्या अब समय नहीं आ गया है कि सरकारें रोजगार के अवसरों पर ध्यान दें। कोर्ट ने खासकर कोविड महामारी के बाद प्रवासी मजदूरों को दी जा रही मुफ्त राशन की सुविधा को लेकर चिंता जताई और सुझाव दिया कि इस समस्या का स्थायी समाधान रोजगार के अवसरों के निर्माण और कौशल विकास में है।

कोर्ट ने इस बात पर भी टिप्पणी की कि यदि राज्य सरकारों को आदेश दिया जाता है कि वे सभी प्रवासी मजदूरों को मुफ्त राशन दें, तो वे इसे केंद्र सरकार की जिम्मेदारी मानते हुए कार्रवाई करने से बच सकते हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, जैसे ही हम राज्यों को आदेश देंगे कि वे सभी प्रवासी मजदूरों को मुफ्त राशन दें, कोई भी यहां नहीं दिखाई देगा। वे भाग जाएंगे। राज्यों को यह पता है कि यह जिम्मेदारी केंद्र की है, इसीलिए वे राशन कार्ड जारी कर सकते हैं।

वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि केंद्र अभी भी 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर निर्भर है, जबकि 2021 की जनगणना होनी चाहिए थी। उनका कहना था कि इससे प्रवासी मजदूरों की सही संख्या और उनकी वास्तविक जरूरतों का पता नहीं चल पा रहा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर कहा, हम केंद्र और राज्यों के बीच मतभेद नहीं पैदा करें, क्योंकि ऐसा करने से स्थिति और भी जटिल हो जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को यह निर्देश दिया कि वे प्रवासी मजदूरों के लिए राशन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करें। इस प्रक्रिया से मजदूरों को केंद्र की मुफ्त राशन योजनाओं का लाभ मिलेगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि राज्य सरकारों को अपनी जिम्मेदारियों से भागने की बजाय प्रवासी मजदूरों के लिए दीर्घकालिक समाधान प्रदान करने पर ध्यान देना चाहिए।

रोहिंग्या को वापस भेजे केंद्र, अगर संभव नहीं तो हम उन्हें मरने के लिए नहीं छोड़ सकते

-जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने इस मुद्दे को मानवीय संकट बताया

जम्मू। जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने रोहंगिया, बांग्लदेशी शरणार्थियों के मुद्दे को मानवीय संकट बताया है। रोहिंग्या, बांग्लादेशी को लेकर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार को इस मामले में स्पष्ट नीति अपनानी चाहिए। अगर केंद्र सरकार रोहिंग्या बांग्लादेशी शरणार्थियों को वापस भेज सकते हैं तो वापस भेज दें, लेकिन अगर यह संभव नहीं है तो हम उन्हें भूख और ठंड से मरने के लिए नहीं छोड़ सकते। यह मानवता और इंसानियत है। यह बातें उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को चैंबर आफ कामर्स इंडस्ट्रीज के एक समारोह में कही। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा न हम रोहिंग्या शरणार्थियों को लाए हैं और न ही हमने बसाया है, लेकिन यह भी इंसान है न की कोई जानवर। इंसानियत के नाते रोहिंग्या, बांग्लादेशी को न भूखे और न ही ठंड से मरने दे सकते हैं, क्योंकि इस समय जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में सर्दी का मौसम है। उमर ने कहा कि भारत जैसे देश के लिए अपनी परंपराओं और जिम्मेदारियों के मुताबिक इन शरणार्थियों का ख्याल रखना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट की दो टूक: कहा- धर्म के आधार पर नहीं हो सकता आरक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता। शीर्ष अदालत ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही जिसमें पश्चिम बंगाल में 2010 से कई जातियों को दिया गया ओबीसी का दर्जा रद्द कर दिया गया था। उच्च न्यायालय के 22 मई के फैसले को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका सहित सभी याचिकाएं जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस के वी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आईं।

जस्टिस बीआर गवई ने कहा, आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं हो सकता। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा, यह धर्म के आधार पर नहीं है। यह पिछड़ेपन के आधार पर है। उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में 2010 से कई जातियों को दिया गया ओबीसी का दर्जा रद्द कर दिया था और सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में उनके लिए आरक्षण को अवैध ठहराया था।अपने फैसले में उच्च न्यायालय ने कहा, वास्तव में इन समुदायों को ओबीसी घोषित करने के लिए धर्म ही एकमात्र मानदंड प्रतीत हो रहा है। उच्च न्यायालय ने आगे कहा कि मुसलमानों के 77 वर्गों को पिछड़ों के रूप में चुना जाना समग्र रूप से मुस्लिम समुदाय का अपमान है।

राज्य के 2012 के आरक्षण कानून और 2010 में दिए गए आरक्षण के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर निर्णय लेते हुए, उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि हटाए गए वर्गों के उन नागरिकों की सेवाएं, जो पहले से ही सेवा में थे या आरक्षण का लाभ उठा चुके थे, या राज्य की किसी भी चयन प्रक्रिया में सफल हुए थे, इस निर्णय से प्रभावित नहीं होंगी।

इंडिया गठबंधन के दलों को ही राहुल गांधी स्वीकार नहीं, संकट में कांग्रेस

-कई बार उठ चुके हैं राहुल की काबिलियत पर सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम चुनाव में मोदी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए बने इंडिया गठबंधन में क्या सबकुछ ठीक नहीं चल रहा? यह सवाल इसलिए भी क्योंकि इंडिया गठबंधन में शामिल कई दल एक के बाद एक लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल खड़े कर रहे हैं। राहुल गांधी पर कोई सीधे सवाल खड़े कर रहा है, कोई बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को बेहतर बताकर नेता विपक्ष पर सवाल उठा रहा। संसद के शीतकालीन सत्र के बीच ही राहुल गांधी के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो चुकी है। टीएमसी की ओर से कही गई बात और ममता की हां के बाद कई नेताओं को लगने लगा है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की जिद ठीक नहीं है। इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं के बयान पर यदि गौर करें तब ऐसा लगता है कि उनमें भी कहीं न कहीं बेचैनी है।

लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक चर्चा यूपी में कांग्रेस और सपा के साथ आने की हुई। राहुल और अखिलेश यादव कई मौकों पर साथ आए और नतीजों में इसका असर भी देखने को मिला। आम चुनाव के नतीजों के बाद सबसे अधिक चर्चा यूपी की हुई। कांग्रेस और सपा दोनों यूपी के मतदाताओं का आभार करते नहीं थक रहे थे। लेकिन अब ये बात पुरानी हो चुकी है। सपा और कांग्रेस के बीच दूरिया बढ़ती हुई दिख रही है। महाराष्ट्र में सपा ने महाविकास अघाड़ी से अलग होने का ऐलान कर दिया लेकिन इसके पहले संभल और लोकसभा में बैठने की व्यवस्था पर भी मनमुटाव साफ-साफ देखने को मिला। सपा के एक नेता आईपी सिंह ने राहुल गांधी की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि इन्होंने जिद कर ली है कि ये नहीं सुधारने वाले नहीं है। सपा सांसद रामगोपाल यादव ने राहुल गांधी पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के नेता नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई भी कह सकता है, राजनीति में कोई साधु-संत बनकर आता नहीं है। सब पद पाना चाहते हैं। चाहे लोकसभा का चुनाव हो या विधानसभा का कांग्रेस कहीं अच्छा परफॉर्म कर नहीं सकी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन के कामकाज पर असंतोष व्यक्त किया है साथ ही मौका मिलने पर इसकी कमान संभालने के संकेत भी दिए। ममता ने कहा कि वे बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए विपक्षी मोर्चे के नेतृत्व के साथ दोहरी जिम्मेदारी संभालने में सक्षम होंगी। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि मैंने इंडिया गठबंधन का गठन किया था, अब इस ठीक से चलाना मोर्चे का नेतृत्व करने वालों पर निर्भर है। अगर वे यह नहीं कर सकते, तब मैं क्या कर सकती हूं? मैं बस यही कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलने की जरूरत है। यह पूछने पर कि एक मजबूत भाजपा विरोधी ताकत के रूप में अपनी साख को देखते हुए वे गठबंधन का प्रभार क्यों नहीं ले रही हैं, इसपर बनर्जी ने कहा, यदि मौका दिया गया तब मैं इसका सुचारू संचालन सुनिश्चित करूंगी। ममता बनर्जी की यह टिप्पणी उनकी पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के अन्य सहयोगियों से अपने अहंकार को अलग रखने और ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में मान्यता देने का आह्वान किए जाने के कुछ दिन बाद आई।

विपक्षी गठबंधन के भीतर ताजा घटनाक्रम में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे गठबंधन के अध्यक्ष हैं और उन्हें मुद्दों पर जवाब देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि कांग्रेस को अपने सहयोगियों के प्रति अधिक उदार होना चाहिए और कुछ गंभीर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। राजा ने कहा, कांग्रेस को गंभीरता से आत्मचिंतन करना होगा और इस बात पर विचार करना होगा कि विधानसभा चुनावों में सीटों का बंटवारा ठीक से क्यों नहीं हुआ, जहां पार्टी को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने बूते चुनाव लड़ने की घोषणा कर कांग्रेस से दूरी भी बना ली है। उद्धव ठाकरे की पार्टी भी सामना के जरिए कांग्रेस पर निशाना साध रही है। पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में इस बात पर जोर दिया कि आप प्रमुख केजरीवाल को इंडिया गठबंधन का हिस्सा बने रहने के लिए मनाने की जरूरत है। संपादकीय में कहा गया, कि ममता बनर्जी कांग्रेस से दूरी रखकर राजनीति करने की कोशिश कर रही हैं। अब केजरीवाल भी उसी राह पर जा रहे हैं। इस संबंध में कांग्रेस को आत्मनिरीक्षण करने और (विपक्ष की) एकजुटता के लिए कदम उठाने की जरूरत है।

बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर भड़के भारत ने कहा पुख्ता करें सुरक्षा व्यवस्था

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्कॉन के संत चिन्मय कृष्ण दास की राजद्रोह के मामले में की गई गिरफ्तारी और हिंदुओं पर जारी चरमपंथियों के हमलों के बीच विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को ढाका में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की। इसमें उन्होंने उक्त घटनाक्रम के अलावा खासतौर पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व कल्याण के मामले पर भारत की चिंताओं को बांग्लादेशी नेतृत्व सामने पूरी स्पष्टता से रखा। साथ ही उन्होंने धार्मिक, सांस्कृतिक और कूटनीतिक संपत्तियों पर किए गए दुर्भाग्यपूर्ण हमलों के मामले को भी उठाया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। इसमें बताया कि विदेश सचिव ने ढाका में बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ मोहम्मद यूनुस, विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन और बांग्लादेश के विदेश सचिव जसीम उद्दीन में मुलाकात की।

उधर, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री 5 अगस्त 2024 में बांग्लादेश में तख्तापलट, तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत पहुंचने और मौजूदा तनावपूर्ण हालात के बीच 9 दिसंबर को बांग्लादेश की एक दिवसीय यात्रा पर ढाका पहुंचे थे। दोनों देशों के मध्य जारी तनाव के बीच यह किसी वरिष्ठ भारतीय अधिकारी की पहली बांग्लादेश यात्रा थी। जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच स्थापित विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) तंत्र की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना था। हालांकि इससे एक दिन पहले रविवार को बांग्लादेश के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने कहा था कि भारत को इस वास्तविकता को स्वीकार करना पड़ेगा कि 5 अगस्त 2024 के बाद अवामी लीग की सरकार के पतन के बाद दोनों देशों के रिश्तों में बदलाव आया है।

मंत्रालय ने बताया कि अंतरिम सरकार के तमाम प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठकों में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक शांत, स्थिर, लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रगतिशील बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन पर जोर दिया। उन्होंने निकट पड़ोसी देश के साथ भारत द्वारा एक सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। जो कि एक-दूसरे की चिंताओं और हितों के मद्देनजर आपसी विश्वास, सम्मान और साझा संवेदनशीलता पर आधारित होने चाहिए।

द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा

विदेश कार्यालय परामर्श की बैठक में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े हुए विभिन्न मुद्दों पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया। इसमें राजनीति, सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, व्यापार, वाणिज्य, कनेक्टिविटी, जल, बिजली, ऊर्जा क्षेत्र, विकास भागीदारी, दूतावास संबंधी, सांस्कृतिक और लोगों का लोगों से संबंध जैसे मामले मुख्य रूप से शामिल किए गए। इसके अलावा क्षेत्रीय, बहुपक्षीय मामलों पर भी विचार साझा किए गए और बिम्सटेक तंत्र के तहत क्षेत्रीय एकीकरण के लिए मंत्रणाओं व सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया गया।

सेवानिवृत्त हुए आरबीआई गवर्नर ने लिखा खत, आज कह ही डाली अपने मन की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी सीमाओं में बंधा अफसर कई बार मन की बात नहीं कह पाता है। जब रिटायर होता है तो कहने से चूकता भी नहीं है। शक्तिकांत दास करीब छह साल तक आरबीआई के गवर्नर रहने के बाद 10 दिसंबर को रिटायर हो गए। उनकी जगह अब राजस्व सचिव रहे संजय मल्होत्रा लेंगे। आज शक्तिकांत दास ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के जरिए पीएम नरेंद्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पूरी आरबीआई टीम को धनयवाद दिया। एक्स पर अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा, आज आरबीआई गवर्नर के रूप में पद छोड़ दूंगा। आपके समर्थन और शुभकामनाओं के लिए आप सभी का धन्यवाद। आरबीआई गवर्नर के रूप में देश की सेवा करने का अवसर देने और उनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का बहुत-बहुत आभारी हूं। उनके विचारों और सोच से बहुत लाभ हुआ।

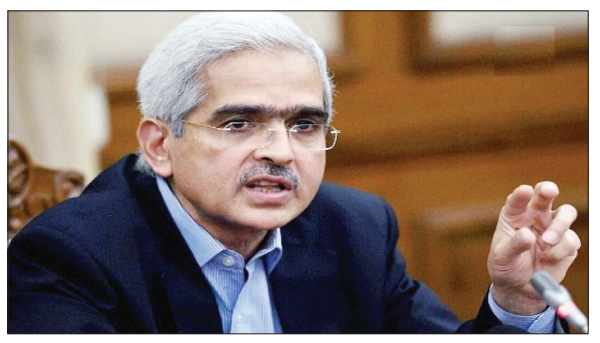

उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बारे में लिखा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को उनके निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद। राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर था और पिछले छह वर्षों के दौरान कई चुनौतियों से निपटने में हमारी मदद की।उन्होंने आगे लिखा है, मैं वित्तीय क्षेत्र और अर्थव्यवस्था के सभी हितधारकों, विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों, उद्योग निकायों और संघों, कृषि, सहकारी और सेवा क्षेत्रों के संगठनों को उनके इनपुट और नीतिगत सुझावों के लिए धन्यवाद देता हूं। आरबीआई की पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद। हमने मिलकर अभूतपूर्व वैश्विक झटकों के असाधारण कठिन दौर को सफलतापूर्वक पार किया। आरबीआई एक भरोसेमंद और विश्वसनीय संस्था के रूप में और भी आगे बढ़े, यही कामना है। आप सभी को मेरी शुभकामनाएं।

12 दिसंबर 2018 में उन्हें इस पद पर नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल बाद में तीन साल और बढ़ाया गया था। नवंबर 2016 में जब नोटबंदी हुई थी, तब भी दास ही मुख्य मोर्चे पर थे। उन्होंने कोविड के दौरान और उसके बाद देश में महंगाई की समस्या को काबू में करने की दिशा में उल्लेखनीय काम किया है। दास ने भारत की ओर से ब्रिक्स, इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड और सार्क में प्रतिनिधित्व किया है।

2024 में 115 तो 2023 में 182 बाघों की हुई थी मौत, 37 फीसदी की आई कमी

-मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में हुई सबसे ज्यादा बाघों की मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बाघों की मौतों में गिरावट आई है। एक विश्लेषण के मुताबिक 2024 में अब तक 115 बाघों की मौत हुई है, जबकि 2023 में 182 की मौत हुई थी। इसमें 37 फीसदी की कमी आई है। शिकार के मामले भी 17 से घटकर 4 फीसदी हो गए हैं। यह विश्लेषण 2024 के अब तक के आंकड़ों पर आधारित है। एनटीसीए की वेबसाइट पर अभी तक मौतों के कारणों की पूरी जानकारी नहीं है। इसमें प्राकृतिक और अप्राकृतिक दोनों तरह की मौतें शामिल हैं। बाघों की मौत के कारणों में क्षेत्रीय संघर्ष, दुर्घटनाएं, जहर देना और बिजली का झटका लगना शामिल हो सकते हैं। एनटीसीए अधिकारियों ने बताया कि राज्यों द्वारा मौत के सही कारणों और फोरेंसिक रिपोर्ट भेजने में देरी हो रही है। एक अधिकारी ने कहा कि राज्य मौत के सटीक कारणों पर डेटा जमा करने और फोरेंसिक रिपोर्ट भेजने में सुस्त है।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा बाघों की मौत हुई है। मध्य प्रदेश में इस साल 46 मौतें हुईं हैं जो पिछले साल के 43 से ज्यादा हैं। महाराष्ट्र में मौतों में 50फीसदी की कमी आई है। 2024 में 23 मौतें हुईं, जबकि 2023 में 46 मौतें हुई थीं। कर्नाटक में पिछले साल के मुकाबले एक कम यानी 11 मौतें हुईं। वैज्ञानिक डॉ. बिलाल हबीब ने शिकार से संबंधित मौतों में कमी का श्रेय प्रभावी उपायों और संरक्षण प्रयासों को दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, बाघों की मौतों का एक बड़ा हिस्सा प्राकृतिक कारणों से हो सकता है। यह कुछ क्षेत्रों में आबादी के संभावित स्थिरीकरण का सुझाव देता है। यह प्रवृत्ति वासस्थान संरक्षण में प्रयासों को बनाए रखने की जरूरत पर जोर देती है, जबकि मानव-वन्यजीव संघर्ष और आवास विखंडन जैसी उभरती चुनौतियों का समाधान किया जाता है।

बाघों की आबादी स्थिर होने का मतलब है कि उनके रहने की जगह सुरक्षित है, लेकिन इंसानों और जानवरों के बीच टकराव और जंगलों के टुकड़ों में बंटने जैसी नई चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए और काम करने की ज़रूरत है। सरकार और वन्यजीव विशेषज्ञ बाघों की सुरक्षा के लिए प्रयास कर रहे हैं। इससे भविष्य में बाघों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। बाघों के संरक्षण के लिए आम जनता का सहयोग भी जरूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

दमिश्क में विद्रोहियों का सीरियाई केंद्रीय बैंक पर धावा, लूट लिया राष्ट्रपति बशर का सारा खजाना

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की राजधानी दमिश्क में विद्रोहियों और स्थानीय नागरिकों ने सीरियाई केंद्रीय बैंक पर धावा बोल दिया और कथित तौर पर वहां से लाखों डॉलर लूट लिए। यह घटना उस समय हुई जब विद्रोहियों ने शहर पर कब्जा कर लिया और राष्ट्रपति बशर अल-असद का शासन गिरा दिया। दमिश्क में स्थित सीरियाई केंद्रीय बैंक पर विद्रोहियों ने हमला किया और बैंक के उन तिजोरियों को निशाना बनाया, जिनका संबंध कथित तौर पर असद परिवार और उसके सहयोगियों से था। बैंक के खजाने से बड़ी मात्रा में नकदी और बहुमूल्य दस्तावेज ले जाए गए। विद्रोहियों ने केंद्रीय बैंक को आर्थिक नियंत्रण और जनता के विश्वास के प्रतीक के रूप में देखा और इस पर कब्जा जमाकर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। घटना में शामिल विद्रोही समूहों का कहना है कि यह पैसा जनता का है और इसे असद शासन द्वारा अवैध रूप से जमा किया गया था। कुछ स्थानीय नागरिक भी इस घटना में शामिल हुए, जो लूटपाट के दौरान बैंक परिसर में घुस गए। सीरियाई सेना और सरकारी अधिकारियों की ओर से इस घटना पर कोई तुरंत प्रतिक्रिया नहीं आई है। सूत्रों का कहना है कि असद सरकार के गिरने के बाद दमिश्क में सरकारी तंत्र पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है।

न्यूयॉर्क में यहूदी समुदाय पर हमले का साजिशकर्ता पाकिस्तानी व्यक्ति कनाडा में गिरफ्तार

न्यूयॉर्क सिटी, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी में यहूदी समुदाय पर हमले की कथित साजिश के आरोप में क्यूबेक, कनाडा में एक पाकिस्तानी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति, मोहम्मद शाहजेब खान, को मॉन्ट्रियल से सैकड़ों किलोमीटर दूर एक नजरबंदी केंद्र में रखा गया है। खान ने अदालत में अपील की है कि उसे मॉन्ट्रियल वापस भेजा जाए क्योंकि फ्रेंच बोलने वाले गार्ड उसे समझ नहीं पाते। मॉन्ट्रियल स्थित उसके वकील, गायटन बोरासा ने भी यही दलील दी कि खान को मॉन्ट्रियल लाया जाए ताकि वह अपने मुवक्किल से आसानी से संवाद कर सकें। इसके बाद क्यूबेक सुपीरियर कोर्ट के जज ने यह सिफारिश स्वीकार की और खान की अगली सुनवाई 20 दिसंबर को तय की गई। खान को 4 सितंबर को क्यूबेक के आर्मसटाउन इलाके से गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों का आरोप है कि वह 7 अक्टूबर के आसपास न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित एक यहूदी केंद्र में सामूहिक गोलीबारी करने की योजना बना रहा था। यह हमला कथित तौर पर इस्लामिक स्टेट के समर्थन में और इजराइल पर हमास के हमले की पहली वर्षगांठ पर किया जाना था। खान, जो जून 2023 में स्टूडेंट वीजा पर कनाडा आया था, पर आरोप है कि वह इस आतंकवादी साजिश में ऑटोमेटिक और सेमी-ऑटोमेटिक हथियारों का उपयोग करने का इरादा रखता था। इस साजिश के सामने आने के बाद कनाडा में सुरक्षा एजेंसियां और सतर्क हो गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार की योजनाएं वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं।

डब्ल्यूएचओ अलर्ट : दुनिया एक और महामारी के कगार पर ! अफ्रीकी देश में 79 मौतें

न्यूयॉर्क सिटी, एजेंसी। कोरोना महामारी से उभरी दुनिया के लिए अफ्रीका से चिंताजनक खबर सामने आई है। कांगो में एक अज्ञात संक्रमण से अब तक 79 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपनी टीमों को प्रभावित क्षेत्र में भेज दिया है। कांगो और डब्ल्यूएचओ की संयुक्त टीमें इस रहस्यमय संक्रमण के कारणों और प्रकृति को समझने में जुटी हुई हैं। यह संक्रमण अक्टूबर में कांगो के पांजी क्षेत्र में पहली बार सामने आया। अब तक 376 लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं, जिनमें 5 साल से कम उम्र के 200 बच्चे शामिल हैं। संक्रमण के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस लेने में कठिनाई और गंभीर एनीमिया शामिल हैं। अफ्रीका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के निदेशक जीन कासिया ने बताया कि बीमारी की पहचान और जांच में करीब पांच से छह सप्ताह की देरी हुई। हालांकि अब परीक्षण तेज कर दिए गए हैं, और जल्द ही संक्रमण की प्रकृति और फैलाव के तरीकों का पता लगने की उम्मीद है। नेशनल पब्लिक हेल्थ इंस्टीट्यूट के महानिदेशक डायडोने मुंबा ने संदेह जताया है कि यह बीमारी हवा के जरिए फैल रही हो सकती है। फिलहाल मरीजों के नमूनों की गहन जांच की जा रही है। महामारी के प्रकोप को देखते हुए वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है। इस साल की शुरुआत में भी अफ्रीका में एमपॉक्स वायरस का प्रकोप देखने को मिला था, जिसे डब्ल्यूएचओ ने बाद में नियंत्रित कर लिया। लेकिन नए संक्रमण ने फिर से दुनिया को सतर्क कर दिया है। अफ्रीका में इस नए संक्रमण के मद्देनजर हांगकांग ने जोहान्सबर्ग और अदीस अबाबा से आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग को बढ़ा दिया है। जापान के विदेश मंत्रालय ने भी अपने नागरिकों को इन क्षेत्रों की यात्रा न करने की सलाह दी है। कोविड-19 महामारी के प्रभाव से उबर रही दुनिया के लिए यह संक्रमण एक और चुनौती बन सकता है। संक्रमण को नियंत्रित करने और इसके कारणों का पता लगाने के लिए डब्ल्यूएचओ और वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों की त्वरित कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी।

हमारी विजय पूरे इस्लामिक देश की विजय

अब सीरिया का शुद्धिकरण शुरू हो गया : मोहम्मद अल-जोलानी

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद के 24 साल लंबे शासन को महज दो हफ्तों के अंदर खत्म करने वाले विद्रोही संगठन हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के प्रमुख मोहम्मद अल-जोलानी ने अपना पहला भाषण दिया है। सीरिया के प्रमुख शहरों पर कब्जे को ऐतिहासिक जीत बताते हुए जोलानी ने कहा कि हमारी विजय पूरे इस्लामिक देश की विजय है। उसने दावा किया कि अब सीरिया का शुद्धिकरण शुरू हो गया है। गौरतलब है कि बशर अल-असद रविवार को ही सीरिया से भाग निकले। कुछ घंटों बाद उनके रूस में शरण लेने की खबरें सामने आई थीं। इस बीच सीरिया में एचटीएस ने दमिश्क को पूरी तरह कब्जे में ले लिया और इसके बाद देश के बड़े हिस्से में लोगों और विद्रोहियों को जश्न मनाते देखा गया।

अबु मोहम्मद अल-जोलानी ने रविवार को दमिश्क पर कब्जा करने के बाद एक वीडियो संदेश में कहा, मेरे भाइयों यह जीत पूरे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक है। उमाय्यद मस्जिद से टेलीग्राम के जरिए दिए अपने भाषण में जोलानी ने कहा, आज सीरिया का शुद्धिकरण हो रहा है। यह विजय जेल में बंद लोगों के दर्द से पैदा हुई और मुजाहिद्दीनों ने उनकी जंजीरों को तोड़ दिया है। जोलानी ने असद का समर्थन करने वाले ईरान और लेबनान के हिजबुल्ला पर निशाना साधते हुए कहा, असद के नेतृत्व में सीरिया ईरानी महत्वाकांक्षाओं का गढ़ बन गया था, जहां सांप्रदायिकता अपने चरम पर थी।

क्या है हयात तहरीर अल-शाम? : सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल असद की सरकार के खिलाफ लड़ रहा विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम आंतकी संगठन अल कायदा की शाखा रहा है। अबू मोहम्मद अल-गोलानी के नेतृत्व वाला एचटीएस लंबे समय से इदलिब में प्रमुख ताकत रहा है। तहरीर अल-शाम को पहले जबात नुसरा फ्रंट के नाम से जाना जाता था। दरअसल, एचटीएस को अल-कायदा ने बनाया था ताकि यह सीरिया के गृहयुद्ध खत्म होने के बाद यहां की स्थिति का फायदा उठा सके। यह जल्द ही अपने मकसद में कामयाब भी हो गया और इसने विद्रोही हमलों के साथ-साथ सेना और अन्य दुश्मनों के खिलाफ आत्मघाती बम विस्फोट किए। हालांकि, यह समूह धीरे-धीरे सीरिया और इराक में इस्लामिक स्टेट का कट्टर दुश्मन बन गया और अंततः 2016 में अल-कायदा से भी अलग हो गया। अमेरिका, रूस, तुर्किये और अन्य देशों ने तहरीर अल-शाम को आतंकवादी समूह घोषित किया है।

2001 के हमलों के बाद जिहाद की ओर अग्रसर हुआ जोलानी : जोलानी ने 11 सितंबर, 2001 के हमलों के बाद जिहाद का रास्ता पकड़ा। मिडिल ईस्ट आई के अनुसार, वह हमलावरों से प्रेरित था और इसके बाद वह दमिश्क में गुप्त धर्मोपदेशों में भाग लेने लगा। बाद में वह इराक में अल-कायदा में शामिल हो गया और 2011 में सीरिया लौटने से पहले उसे पांच साल तक हिरासत में रखा गया, जहां उसने अल-कायदा की सीरियाई शाखा अल-नुसरा फ्रंट की स्थापना की। बाद में जोलानी ने 2016 में अल-कायदा से नाता तोड़ लिया और हयात तहरीर अल शाम की स्थापना कर असद सरकार के खिलाफ जंग का नेतृत्व करने लगा। दावा है कि जोलानी जो कभी अमेरिकी जेल में बंद रहा था उस पर यूएस ने 10 मिलियन का इनाम घोषित कर रखा है।

हाल में और ज्यादा सुर्खियों में आया : कभी गुप्त रूप से काम करने के लिए जाने जाने वाले जोलानी अब ज्यादा सार्वजनिक भूमिका निभा रहा है। हालिया आक्रमणों के दौरान, वह कई जगह देखा गया है। हाल में जब विद्रोहियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा किया था तो वहां जोलानी को भी देखा गया था। जोलानी खुद को आधुनिक और उदारवादी दिखाता है।

उसने जिहादियों से जुड़ी पारंपरिक पगड़ी पहनना बंद कर दिया है और अब सैन्य वर्दी और खाकी शर्ट पहनना शुरू कर दिया है, जिससे वे खुद को अधिक व्यावहारिक और अनुकूलनीय के रूप में पेश कर रहे हैं। पिछले बुधवार को अलेप्पो में जोलानी को भीड़ को हाथ हिलाते हुए देखा गया, जो उनके पहले के एकांतप्रिय व्यक्तित्व के बिल्कुल विपरीत था। उन्होंने अपने असली नाम से बयानों पर हस्ताक्षर करना भी शुरू कर दिया है।

सूडान की राजधानी में ईंधन स्टेशन पर बमबारी में 28 की मौत, 37 घायल

खार्तूम, एजेंसी। सूडान की राजधानी खार्तूम के दक्षिण में एक ईंधन स्टेशन पर हुई बमबारी में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। यह जानकारी एक स्वयंसेवी समूह और स्थानीय मीडिया ने दी। रविवार को एक स्थानीय स्वयंसेवी समूह साउथ खार्तूम इमरजेंसी रूम ने बताया कि मायो इलाके के पास नए मार्केट 6 में स्थित अमोनिया ईंधन स्टेशन पर बम गिराया गया। यह बशीर हॉस्पिटल के उत्तर में स्थित है और इससे भारी जान-माल का नुकसान हुआ।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, घायलों में 29 झुलसने के मामले शामिल हैं, जिनमें से 3 गंभीर रूप से झुलसे हैं। इसके अलावा, 8 लोग घायल हुए हैं।

घटना के बाद चिकित्सा सेवाएं प्रभावित लोगों की मदद में जुटी हुई हैं। स्वयंसेवी समूह ने घायलों के इलाज के लिए अतिरिक्त चिकित्सा सहायता की अपील की है। स्थानीय समाचार पोर्टल अल-रकूबा ने भी अमोनिया ईंधन स्टेशन पर हुई बमबारी में 28 लोगों के मारे जाने और 37 के घायल होने की पुष्टि की है। अब तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

मध्य अप्रैल 2023 से सूडान में सूडानी सशस्त्र बलों और रैपिड सपोर्ट फोर्सेस के बीच चल रहे संघर्ष ने देश को विनाशकारी स्थिति में पहुंचा दिया है। इस हिंसा में अब तक 27,120 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और 1.4 करोड़ से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। यह आंकड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने दिए हैं। गौरतलब है कि सूडान में उथल-पुथल की स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने शुक्रवार को दक्षिण सूडान में बच्चों की मदद करने के लिए 2025 में 278.2 मिलियन डॉलर की तत्काल अपील जारी की। यूनिसेफ ने दक्षिण सूडान में बिगड़ती स्थिति पर प्रकाश डाला। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा था, लगभग 9 मिलियन लोग, जिनमें 4.9 मिलियन बच्चे, 2.2 मिलियन महिलाएं और 1.4 मिलियन विकलांग लोग, मानवीय सहायता की आवश्यकता होगी।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादी हमलों में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग आतंकी हमलों में कम से कम तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी सरदार रिंद ने बताया कि आतंकवादियों ने शनिवार को डुकी जिले में एक कोयला खदान के पास एक जांच चौकी पर हमला किया, जिसमें फ्रंटियर कोर के दो सैनिक मारे गए और तीन अन्य जवान घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने घंटों तक चले हमले के दौरान रॉकेट, ग्रेनेड और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने प्रभावी तरीके से जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप कई हमलावर मारे गए और घायल भी हुए। हालांकि आतंकियों की सही संख्या की पुष्टि नहीं हो पाई है। ग्वादर के जिवानी कस्बे में एक अन्य हमले में आतंकवादियों ने पाकिस्तान तटरक्षक बल के गश्ती दल को दरान इलाके में एक लाइटहाउस के पास एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से निशाना बनाया। पुलिस ने बताया कि इस हमले में एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई। इस बीच कलात कस्बे में उस समय तनाव फैल गया, जब अज्ञात लोगों ने ऐतिहासिक मिरी किले के पास एक स्मारक में आग लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि आगजनी में बलूच संस्कृति का प्रतीक स्मारक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

कनाडा में भारतीय स्टूडेंट की हत्या : हमलावर ने सीढ़ियों पर पीछे से गोली मारी, सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में 20 साल के एक भारतीय छात्र की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। छात्र हर्षनदीप सिंह पंजाब के रहने वाले थे। वह कनाडा के एडमोंटन शहर में बतौर सिक्योरिटी गार्ड काम करते थे। हर्षनदीप की हत्या सीसीटीवी में कैद हो गई थी, इसका वीडियो वायरल हो रहा है। घटना बीते 6 दिसंबर को एडमोंटन की है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि हर्षनदीप सिंह को एक अपार्टमेंट की सीढ़ियों के रास्ते भागने की कोशिश करते समय पीछे से गोली मारी गई। जिस शख्स ने हर्षनदीप पर गोली चलाई, उसके अलावा एक लड़का और एक महिला भी मौके पर मौजूद थी। जब हर्षनदीप ने भागने की कोशिश की तो महिला ने पीछे से पकड़कर उसे रोकना चाहा। इसके ठीक बाद हमलावर ने हर्षनदीप पर गोली चला दी।

हर्षनदीप पंजाब में कहां के रहने वाले हैं और वह किस कोर्स की पढ़ाई करने कनाडा गए थे, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हर्षनदीप कनाडा में पढ़ाई के अलावा अपना खर्च चलाने के लिए सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी भी करते थे। हर्षनदीप की हत्या के मामले में इवान रेन और ज्यूडिथ सॉल्टो नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों की उम्र 30 साल बताई जा रही है।कनाडा में हत्याओं की तीन कैटेगरी हर्षनदीप की हत्या करने वाले आरोपियों पर फर्स्ट डिग्री मर्डर का आरोप लगा है। कनाडा जैसे कई देशों में हत्याओं को कई कैटेगरी में रखा जाता है। सुनियोजित हत्या या एक से ज्यादा लोगों की हत्या के मामलों को फर्स्ट डिग्री मर्डर की कैटेगरी में रखा जाता है। इसमें आरोप साबित होने पर मृत्युदंड या बिना पेरोल के आजीवन कारावास की सजा मिलती है।

इसी तरह लूट और डकैती के दौरान की जाने वाली हत्याओं को सेकेंड-डिग्री मर्डर माना जाता है। इसमें आजीवन कारावास की सजा मिलती है। इसी तरह असावधानी या लापरवाही से होने वाली हत्याओं को थर्ड डिग्री मर्डर की कैटेगरी में रखा जाता है। कनाडा में रह रहे भारतीयों की हत्या कोई नई बात नहीं है। हाल ही में कनाडा में पंजाब के भारतीय छात्र गुरसिस सिंह की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कनाडा के सार्निया शहर के 36 साल के क्रॉस्ले हंटर को सेकेंड डिग्री मर्डर के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हर्षनदीप की हत्या के पीछे क्या वजह थी, अभी यह साफ नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

भारतीय राजदूत ने बताया था, हर हफ्ते दो भारतीयों की लाश भेजते थे खालिस्तानी कट्टरपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले से कनाडा और भारत के रिश्ते बिगड़ गए हैं। बीते सप्ताह 17 और 18 अक्टूबर को दोनों देशों ने अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया था। कनाडा में तैनात भारतीय राजदूत संजय वर्मा जब वापस आए तो उन्होंने मीडिया इंटरव्यू में कनाडा में रह रहे भारतीय स्टूडेंट्स की स्थितियों के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था कि पेरेंट्स को अपने बच्चों को कनाडा भेजने से पहले दो बार सोचना चाहिए। बड़ी तादाद में भारतीय छात्र कनाडा के नागरिकों से 4 गुना ज्यादा फीस दे रहे हैं, लेकिन उन्हें उनकी उम्मीद के मुताबिक सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

ट्रम्प अवैध प्रवासियों को अमेरिका से निकालने पर कायम, नाटो छोड़ने का भी विचार

कहा- पैदा होते ही यूएस नागरिकता मिलने का अधिकार खत्म करूंगा

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रम्प ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद के अपने एजेंडे का खुलासा किया। ट्रम्प ने एक बार फिर अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों को देश से बाहर करने का प्लान दोहराया। साथ ही उन्होंने ड्रीमर्स अप्रवासी की सुरक्षा के लिए कदम उठाने की बात की। बता दें कि ड्रीमर्स अप्रवासी वे अप्रवासी हैं, जो बचपन में अमेरिका आ गए थे और उनके पास कोई डॉक्यूमेंट नहीं है।

एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि वो अपने ऑफिस के पहले दिन ही पैदा होते ही अमेरिकी नागरिकता मिलने का अधिकार खत्म कर देंगे। अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन के मुताबिक जो भी बच्चा अमेरिका में पैदा होता है, उसे पैदा होते ही

अमेरिका की नागरिकता मिल जाती है। भले ही उसके माता-पिता के पास किसी भी देश की नागरिकता हो। हालांकि ट्रम्प के इस फैसले को कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है।

नाटो से बाहर निकलने पर विचार करेंगे इंटरव्यू के दौरान ट्रम्प ने नाटो को लेकर कहा कि वो राष्ट्रपति बनने के बाद इससे बाहर निकलने के लिए गंभीरता से विचार करेंगे। साथ ही उन्होंने वादा किया कि वो अबॉर्शन पिल्स पर बैन नहीं लगाएंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद उनका फेडरल रिजर्व (सेंट्रल बैंक) के चेयरमैन जेरोम पॉवेल को पद छोड़ने के लिए कहने का कोई प्लान नहीं है।

कैपिटल हिल हिंसा के दोषियों को माफ करेंगे ट्रम्प ने वादा किया कि वो राष्ट्रपति बनते ही कैपिटल हिल मामले के दोषियों को माफ करने के लिए कदम उठाएंगे। 2020 में ट्रम्प के राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद 6 जनवरी 2021 को उनके कुछ समर्थकों ने कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद) में घुसकर लूटपाट की थी। कानूनी पचड़ों में फंस सकते हैं ट्रम्प के फैसले एक्सपर्ट्स का कहना है कि ट्रम्प की कई योजनाओं को कोर्ट में मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा नाटो से उनका अलग होने का प्लान अमेरिकी खेमे के देशों में बेचैनी पैदा कर सकता है।

राजनाथ सिंह मॉस्को पहुंचे, पुतिन से वार्ता और आईएनएस तुशील को नौसेना में करेंगे शामिल

मॉस्को, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आधिकारिक यात्रा पर मॉस्को पहुंचे. अपनी यात्रा के दौरान वह भारतीय नौसेना में एक स्टील्थ युद्धपोत को शामिल किए जाने के साक्षी बनेंगे और सैन्य तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 21वीं बैठक में भाग लेंगे.

रविवार देर रात रूस में भारतीय राजदूत वेंकटेश कुमार और रूसी रक्षा उप मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन ने सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया. अपनी यात्रा के दौरान सिंह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मारे गए सोवियत सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए मॉस्को में अज्ञात सैनिक की समाधि पर भी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे. विज्ञप्ति में कहा गया है कि वह भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत करेंगे. अपनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अहम बातची भी करेंगे. इसी के साथ रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव के साथ सैन्य-तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी एमएंडएमटीसी) की सह-अध्यक्षता करेंगे.

रूस में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का मास्को में राजदूत और रूसी उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन ने स्वागत किया. राजनाथ सिंह रूस में भारतीय समुदाय से भी मिलेंगे. यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राष्ट्रपति

पुतिन से मुलाकात करेंगे और अपने रूसी समकक्ष रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव के साथ आईआरआईजीसी एमएंडएमटीसी बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे. वह आईएनएस तुशील के जलावतरण समारोह में भी हिस्सा लेंगे.

रूस में भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा कि इस यात्रा का उद्देश्य विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के अनुरूप भारत-रूस रक्षा सहयोग को और गहरा करना है. इससे पहले शनिवार को सिंह ने एक्स पर रूस की अपनी यात्रा के बारे में एक पोस्ट साझा की. उन्होंने लिखा कि वह आठ दिसंबर को भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 21वीं बैठक में भाग लेने के लिए रूस जाएंगे.

प्रधानमंत्री को शक्तियां सौंपने के राष्ट्रपति के फैसले पर बिफरा विपक्ष, कहा- यह दूसरा तख्तापलट

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में लगातार सियासी उथल-पुथल जारी है। यहां के हालात तब ज्यादा बदतर हो गए, जब तीन दिसंबर की रात राष्ट्रपति यून सुक-योल ने इमरजेंसी यानी मार्शल लॉ लगाने का एलान किया था। हालांकि, भारी विरोध के बाद कुछ ही घंटों बाद इसे समाप्त कर दिया गया था। हालांकि, इसके वाबजूद भी हालात सही नहीं हैं। अब यहां के विपक्ष ने सत्तारूढ़ पार्टी पर सत्ता पर काबिज होने तथा मार्शल लॉ के एलान के लिए राष्ट्रपति यून सूक योल पर महाभियोग चलाने से इनकार करके दूसरा तख्तापलट करने का आरोप लगाया।

छह घंटे चले मार्शल लॉ ने बिगाड़े हालात

राष्ट्रपति यून सुक योल ने हाल ही में मार्शल लॉ (सैन्य शासन) घोषित कर दिया था, यह आरोप लगाते हुए कि विपक्ष देश की लोकतंत्र और स्थिरता के लिए खतरा बन रहा है। हालांकि, कुछ ही घंटों बाद, राष्ट्रपति ने इस फैसले को वापस ले लिया। यह कदम जनता के विरोध और नेशनल असेंबली की कड़ी आलोचना के बाद लिया गया था। दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ केवल लगभग छह घंटे चला। हालांकि चंद घटों के लिए लागू हुए मार्शल लॉ ने देश की राजनीतिक को हिला कर रख दिया।

राष्ट्रपति योल के इस फैसले के खिलाफ विपक्ष समेत देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। मार्शल लॉ के कारण विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्रपति यून पर महाभियोग लगाने का प्रयास किया। हालांकि, यह प्रस्ताव असफल हो गया क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के ज्यादातर सांसदों ने वोटिंग का बहिष्कार किया। वहीं, विपक्षियों ने कथित विद्रोह को लेकर यून और पूर्व रक्षा मंत्री सहित कम से कम नौ लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री को सत्ता सौंपने पर सहमति !

राष्ट्रपति और कुछ शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ विद्रोह के लिए जांच की जा रही है, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी के बहिष्कार के बाद शनिवार को योल के खिलाफ महाभियोग चलाने का प्रयास विफल हो गया। पार्टी का दावा है कि बेहद अलोकप्रिय नेता ने प्रधानमंत्री हान डक-सू और पार्टी प्रमुख को सत्ता सौंपने पर सहमति जता दी है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता पार्क चान-डे ने कहा कि यह एक गैरकानूनी, असंवैधानिक कृत्य है, जो दूसरा विद्रोह और दूसरा तख्तापलट है। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी से इसे तुरंत रोकने का आग्रह किया। दक्षिण कोरिया के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति तब तक सरकार का मुखिया और सेना का कमांडर इन चीफ बना रहता है, जब तक कि वह अक्षम न हो जाए, इस्तीफा न दे दे या पद न छोड़ दे। ऐसे मामले में, चुनाव होने तक अंतरिम आधार पर सत्ता प्रधानमंत्री को सौंप दी जाती है।

पार्क ने कहा कि यह दावा करना कि राष्ट्रपति योल पद पर बने रह सकते हैं, लेकिन उन्होंने अपनी शक्तियां प्रधानमंत्री और अपनी सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के नेता को सौंप दी हैं - जो निर्वाचित अधिकारी नहीं हैं। यह एक स्पष्ट संवैधानिक उल्लंघन है, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। उन्होंने कहा, खुद को संविधान से ऊपर रखने का उनका रवैया विद्रोही यून सुक योल जैसा है।

जांचकर्ताओं ने पहले ही पूर्व रक्षा मंत्री को हिरासत में ले लिया है, उनके कार्यालयों पर छापे मारे हैं, कई शीर्ष अधिकारियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिए हैं और सोमवार को जनरल को बुलाया है, जिन्हें आगे की पूछताछ के लिए मार्शल लॉ कमांडर बनाया गया था। पुलिस ने सोमवार को कहा कि यून को भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वे इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या उन्हें यात्रा करने से प्रतिबंधित किया जाए। राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी के राष्ट्रीय जांच मुख्यालय के प्रमुख वू जोंग-सू ने कहा, जांच के विषय पर कोई मानवीय या शारीरिक प्रतिबंध नहीं हैं। पुलिस बिना किसी अपवाद के कानून और सिद्धांतों के अनुसार जांच करेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक गिरोह ने 12 दिनों में 2 युवकों को हनीट्रैप में फंसाया

सूरत के अलग-अलग इलाकों में फ्लैट पर मिलने बुलाया, नकली पुलिस बनकर पैसे ऐंठे।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक ही गैंग द्वारा दो युवकों को अलग-अलग इलाकों में फ्लैट पर बुलाकर हनीट्रैप में फंसाने का मामला सामने आया है। गिरोह ने खुद को फर्जी पुलिस बताकर एक युवक से साढ़े चार लाख रुपये और दूसरे से 85 हजार रुपये ऐंठे। पुलिस ने दंपत्ति समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग युवकों को शारीरिक सुख का लालच देकर फ्लैट पर बुलाते थे और फिर नकली पुलिस बनकर केस करने की धमकी देकर पैसे वसूलते थे। आशंका है कि इस गैंग ने पहले भी कई लोगों को फंसाया है। पुलिस फिलहाल आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पहला मामला कतारगाम में हुआ हनीट्रैप केस

32 वर्षीय युवक, जो नाना वराछा क्षेत्र में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान चलाता है, को 21 नवंबर को दोपहर 2:30 बजे दक्षा नाम की महिला ने मिलने के बहाने कतारगाम स्थित नीलकंठ सोसाइटी के मकान में बुलाया। युवक जब मकान में पहुंचा, तो वहां दो महिलाएं पहले से मौजूद थीं। तभी तीन अज्ञात व्यक्ति कमरे में आए और खुद को पुलिस बताकर युवक से पूछा कि वह वहां कितने समय से आ रहा है। इसके बाद युवक के गाल पर दो-तीन थप्पड़ मारे और दो लाख रुपये की मांग की।

आखिरकार काफी बहस के बाद युवक को खोडल कृपा मेडिकल स्टोर पर ले जाकर उसके खाते से पैसे ट्रांसफर करवाए गए। आरोपियों ने युवक से 85 हजार रुपये ऐंठकर मौके से फरार हो गए। युवक को बाद में एहसास हुआ कि उसे हनीट्रैप में फंसाया गया है, जिसके बाद उसने मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर कतारगाम पुलिस ने इस गैंग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने पार्थ ढोला, दक्षा अकोलिया, जयश्री बोराड और दिव्या तलाविया को गिरफ्तार किया। इनमें दक्षा और जयश्री दोनों विधवा हैं।

कतारगाम में हनीट्रैप के आरोपियों की गिरफ्तारी की खबर सुनकर एक और पीड़ित सामने आया, जिसने इसी गैंग द्वारा फंसाए जाने की शिकायत दर्ज कराई। जांच में खुलासा हुआ कि 12 दिनों के भीतर कतारगाम और कुंभारिया गांव में यह गैंग दो युवकों को अपना शिकार बना चुकी थी।

जहांगीरपुरा क्षेत्र में रहने वाले और सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करने वाले 35 वर्षीय विवेक (बदला हुआ नाम) को उसी कंपनी के एक सहकर्मी ने दक्षा अकोलिया नाम की महिला का नंबर दिया था। उस सहकर्मी ने बताया कि यह महिला शारीरिक सुख प्रदान करने की सुविधा देती है।

3 दिसंबर को विवेक ने इस महिला को वीडियो कॉल किया, जिसमें उसने एक महिला दिखाई और शारीरिक सुख पाने के लिए कुंभारिया गांव स्थित ईश्वर दर्शन अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल के एक फ्लैट पर आने को कहा। विवेक वहां पहुंचा, जहां उसे उस महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए बुलाया गया था। इसके बदले 1000 रुपये लिए गए और उसे एक कमरे में भेजा गया।

महिला के साथ कमरे में जाते ही नकली पुलिस आ धमकी। महिला और युवक जैसे ही कमरे में पहुंचे, कुछ ही मिनटों बाद चार लोग अंदर घुस आए। उनमें से एक व्यक्ति ने कहा, "हम सूरत पुलिस से हैं। हमें सूचना मिली है कि यहां अवैध काम हो रहा है। तुम्हारे खिलाफ FIR दर्ज करनी है।" यह कहते हुए उन्होंने युवक का मोबाइल छीन लिया। दूसरे व्यक्ति ने कहा, "हम मीडिया को बुला लेंगे, अब तुम जेल जाओगे।" तीसरे व्यक्ति के हाथ में एक नोटपैड था, उसने युवक से पूछा, "तुम्हारा नाम क्या है? कहां रहते हो? क्या काम करते हो? यहां क्यों आए हो?" और वह कागज पर लिखने लगा।

चौथे व्यक्ति ने युवक को अपशब्द कहते हुए कहा, "तुम ऐसा गंदा काम करते हो, तुम्हें शर्म नहीं आती?"

इसके बाद उसने युवक के गाल पर दो-तीन थप्पड़ मारे।

इसी दौरान दक्षा और दुर्गा नाम की महिलाएं इन नकली पुलिस वालों से कहने लगीं, "साहब, जो भी मामला है, उसे यहीं निपटा दीजिए। जो भी आपका हिसाब-किताब है, वह ले लीजिए और हमें जाने दीजिए।"

इन चारों व्यक्तियों ने आपस में बातचीत करते हुए एक-दूसरे को नाम से पुकारा।

इनमें से एक का नाम पार्थ, दूसरे का प्रवीण, तीसरे का मायाभाई और चौथे का माधुरी बताया गया। इसके बाद मायाभाई ने युवक से कहा, "अगर इस मामले को यहीं खत्म करना है तो हमें 10 लाख रुपये देने होंगे।" काफी बहस के बाद युवक ने 4.5 लाख रुपये देने पर सहमति जताई। युवक को डरा-धमकाकर 4.53 लाख रुपये ऐंठे गए।

युवक के पास इतनी बड़ी रकम नहीं थी, इसलिए इन जबरन वसूली करने वालों ने उसे एटीएम और मनी ट्रांसफर सेंटर पर ले जाकर पैसे वसूले। सबसे पहले वे युवक को परवत पाटिया स्थित एटीएम पर ले गए, जहां उसके कार्ड से 40 हजार रुपये निकाले। फिर उसे हीराबाग मास्टर पे मनी ट्रांसफर ऑफिस ले जाया गया, जहां से 2.02 लाख रुपये ट्रांसफर करवाए गए। इसके बाद बड़े वराछा स्थित मनी ट्रांसफर ऑफिस में ले जाकर 2.10 लाख रुपये ट्रांसफर करवाए।

महेश ने हनीट्रैप के लिए अपनी पत्नी को भी गैंग में शामिल किया था सारोली पुलिस ने गैंग के खिलाफ कार्रवाई तेज की और कुछ ही समय में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सूचना के आधार पर महेशभाई मथुरभाई बलदानिया और उनकी पत्नी दुर्गादेवी उर्फ दक्षा महेशभाई मथुरभाई बलदानिया को पकड़ा गया।

महेश एक ज्वैलरी डिज़ाइनर के रूप में काम करता है। उसने अपनी पत्नी को भी इस हनीट्रैप गैंग में शामिल कर लिया था। अन्य आरोपियों को पहले ही कतारगाम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, जिन्हें अब सारोली पुलिस की हिरासत में लेकर आगे की जांच की जाएगी।

25 साल से फरार वॉन्टेड आरोपी की गिरफ्तारी

1999 में जानलेवा हथियारों से एक फैक्ट्री में डकैती की और लूट की घटना को अंजाम दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की क्राइम ब्रांच ने महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के नवापुर गांव से 25 साल से फरार वॉन्टेड आरोपी रामू मलिया उर्फ हरी गौड़ को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी 1999 में साचिन पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत एक फैक्ट्री में जानलेवा हथियारों के साथ डकैती डालकर नकद रकम लूटने के मामले में वॉन्टेड था। रामू मलिया उस समय साचिन के स्लम बोर्ड क्षेत्र में रहकर मजदूरी का काम करता था। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर साचिन की जस्मीन सिल्क फैक्ट्री में डकैती डालने की योजना बनाई थी।

22 जनवरी 1999 की रात 2 बजे रामू और उसके साथी जानलेवा हथियारों के साथ फैक्ट्री में घुसे और मुंह में कपड़ा ठूंसकर वॉचमैन और मजदूरों को बंधक बना लिया।

फिर उन्होंने ऑफिस का ताला तोड़कर 6.10 लाख रुपये की लूट की और भाग गए।

1999 में अपराध दर्ज होने के बाद रामू मलिया ने अपने नाम और पहचान को छिपाकर अन्य राज्यों में मजदूरी का काम किया। वह छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में बार-बार स्थान बदलता रहा, जिससे पुलिस उसकी गिरफ्तारी में विफल रही थी।

सूरत क्राइम ब्रांच की निरंतर तलाश के बाद मिली जानकारी के आधार पर रामू मलिया को महाराष्ट्र के नवापुर गांव की एक फैक्ट्री में मजदूरी करते हुए गिरफ्तार किया गया। रामू ने अपनी पहचान छिपाने के लिए कई वर्षों तक अलग-अलग नाम और पते का इस्तेमाल किया था।

25 साल पुराने इस अपराध के मुख्य आरोपी को पकड़ना सूरत क्राइम ब्रांच के लिए बड़ी सफलता है।

अब पुलिस रामू के साथियों की तलाश भी कर रही है, जो इस लूट कांड में शामिल थे।

सूरत में डंपर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

सहारा दरवाजा फ्लाईओवर ब्रिज पर वाहन ने कुचला मौके पर बाइक सवार की दर्दनाक मौत।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कभी BRTS बसें काल बन जाती हैं तो कभी डंपर चालकों या SMC के कॉन्ट्रैक्ट पर चलने वाले वाहनों के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। इसी कड़ी में सूरत शहर के सहारा दरवाजा ब्रिज पर एक और हादसा हुआ, जिसमें एक बाइक सवार की मौत हो गई। सूरत महानगर पालिका के कचरा संग्रहण के लिए कॉन्ट्रैक्ट पर लगाए गए वाहन के चालक ने एक और हादसे को अंजाम दिया। शाम के समय सहारा दरवाजा क्षेत्र में ब्रिज से गुजर रहे बाइक सवार को कचरा संग्रहण कर रहे डंपर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। सलाबतपुरा पुलिस ने दुर्घटना में मौत का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि सूरत महानगर पालिका द्वारा ठेके पर रखे गए ड्राइवरों के कारण राहगीरों की जान जा रही है। लापरवाह तरीके से वाहन चलाने वाले ड्राइवरों के खिलाफ सख्त कदम उठाना आवश्यक है, साथ ही उन्हें नियमों का पालन करवाना भी जरूरी है। युवक इतनी गंभीर रूप से घायल हो गया था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सुरत में 5 फीट की दूरी पर दो लड़कियों की छेड़छाड़, CCTV में कैद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां दो लड़कियों के साथ छेड़छाड़ हुई और यह सब ष्टष्टझङ्क में कैद हो गया। घटना वरघोडा क्षेत्र की एक सोसायटी में हुई, जहां असामाजिक तत्वों ने पुलिस को चुनौती देते हुए सरेआम छेड़छाड़ की। पेट्रोलिंग की जिम्मेदारी में लापरवाही के चलते पुलिस इस घटना को रोक नहीं पाई, जबकि इस इलाके में इस तरह की घटनाएं पहले भी हुई हैं।

यह घटना पुलिस की पेट्रोलिंग की खामी और कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाती है।

7 दिसंबर, 2024 को सुरत शहर में एक ही दिन में तीन अलग-अलग मामलों के आरोपियों का वरघोड़ा निकाला गया। यह घटनाएँ ऐसे समय में हुईं जब पुलिस पेट्रोलिंग की जिम्मेदारी निभाने में असफल दिख रही थी। वरघोडा संस्कृति में पुलिस की लापरवाही और अपराधियों के प्रति सख्ती की कमी महसूस हो रही थी।

सुरत में अपराधियों को पासा पर चढ़ाने और हिस्ट्रीशीटर्स को चेतावनी देने के बाद भी अपराधों में कमी नहीं आई

है। इसका ताजातरीन उदाहरण उधना क्षेत्र में देखने को मिला, जहां एक व्यक्ति ने एक सोसायटी में चलते हुए 5 फीट की दूरी पर दो किशोरियों के साथ छेड़छाड़ की, जो CCTV में कैद हो गई।

पुलिस के दावे के बावजूद, जो यह कह रहे थे कि वे सक्रिय हैं, यह घटना इस बात का सबूत है कि अपराधों में कमी नहीं आई है। हाल ही में सुरत पुलिस ने 2 से ज्यादा आपराधिक इतिहास वाले हिस्ट्रीशीटर्स को एक जगह एकत्रित किया था और डीसीपी ज़ोन-4 विजय सिंह गुर्जर द्वारा उन्हें अपराध न करने की चेतावनी दी गई थी।

सूरत में दो लड़कियों के साथ छेड़छाड़ और अपहरण की कोशिश

8 दिसंबर 2024 को उधना क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति ने

एक सोसायटी में घुसकर दो लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की और उन्हें उठाने की कोशिश की। सोसायटी के अध्यक्ष ने इस मामले में पुलिस को लिखित शिकायत दी थी। उनकी शिकायत में बताया गया कि आरोपी ने लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की और उन्हें अपहरण करने की कोशिश की। CCTV फुटेज में साफ दिख रहा है कि यह व्यक्ति बिना किसी डर के सोसायटी में घुसकर घूम रहा था, जो एक डरावनी घटना है।

इस मामले पर डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (DCP) भगीरथ गढ़वी ने कहा, "हमें CCTV फुटेज मिला है जिसमें एक व्यक्ति बच्चों के साथ छेड़छाड़ करते हुए दिखाई दे रहा है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान के लिए पांच अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। हम CCTV फुटेज और अन्य विवरणों के आधार पर आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में हैं। यह घटना 8 दिसंबर 2024 को हुई थी। सोसायटी के अध्यक्ष ने तुरंत पुलिस को सूचना नहीं दी थी, लेकिन अब लिखित शिकायत दी गई है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।"

सूरत नगर निगम ने पुरानी आरक्षित भूमि पर कब्जा किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम ने नारायण नगर क्षेत्र में पुरानी आरक्षित भूमि पर कब्जा कर लिया है। नगर निगम ने इस क्षेत्र में डिमोलिशन की प्रक्रिया शुरू की, जिससे आरक्षित जमीन का कब्जा प्राप्त किया गया। भाजपा के पार्षदों ने इस कार्रवाई के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया, उनका कहना है कि अधिकारियों ने सही तरीके से कार्रवाई नहीं की और इसके परिणामस्वरूप नगर निगम को यह कदम उठाना पड़ा।

सूरत नगर निगम ने कतारगाम में टीपी 49 के नारायण नगर क्षेत्र की वर्षों पुरानी आरक्षित भूमि पर कब्जा कर लिया है। निगम के कतारगाम जोन अधिकारियों ने डिमोलिशन स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचकर हटाने का काम शुरू किया। इस आरक्षित भूमि पर निजी व्यक्तियों ने वर्षों पहले दुकानों का निर्माण किया था। हालांकि, भाजपा के पार्षद नरेंद्र पांडे ने अधिकारियों को रिजर्व भूमि पर कब्जे के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

सूरत महानगर पालिका ने कतारगाम में टीपी 49 के नारायण नगर क्षेत्र में पुरानी आरक्षित भूमि पर कब्जा करके डिमोलिशन अभियान शुरू किया। डिमोलिशन के दौरान निगम ने दुकानों पर हथौड़े मारकर आरक्षित भूमि पर कब्जा किया। इन दुकानों का निर्माण वर्षों पहले निजी व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से किया गया था, जो नगर निगम की टीपी योजना के खिलाफ था।

नरेंद्र पांडे ने नगर निगम की कार्यक्षमता और उनके रवैये पर भी हमला करते हुए कहा कि आरक्षित भूमि पर अन्यायपूर्ण कब्जे को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, अन्यथा भविष्य में ऐसी समस्याएँ फिर से उत्पन्न हो सकती हैं।

नारायण नगर क्षेत्र में डिमोलिशन की प्रक्रिया शुरू, आरक्षित भूमि पर कब्जा किया; भाजपा के पार्षदों ने अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया

सूरत में महिला पुलिस ने मानसिक दिव्यांग वृद्धा की मदद की पुलिस की सराहनीय कार्यवाही

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वराछा पुलिस स्टेशन की एक महिला पुलिसकर्मी ने मानसिक दिव्यांग वृद्धा की मदद की, जो सड़क पर गिर पड़ी थी। वृद्धा रिक्षा से उतरने के बाद चलते-चलते चक्कर खाकर गिर पड़ी थी। आसपास के लोग इधर-उधर दौड़े, लेकिन किसी ने उनकी मदद करने की हिम्मत नहीं दिखाई। इस दौरान वराछा पुलिस की ष्टष्टक्रवैन मौके पर पहुंची।

महिला पुलिसकर्मी ने वृद्धा से पूछताछ की और उन्हें समझा कि वह मखनचाल जाना चाहती हैं। वृद्धा के पास केवल एक डायरी थी, जिसमें वह अपनी बात करने में सक्षम थी, लेकिन पैसे नहीं थे। महिला पुलिसकर्मी ने उन्हें वैन में बैठाकर मखनचाल की पोस्ट ऑफिस तक पहुंचाया। इस कार्यवाही के बाद वृद्धा ने पुलिसकर्मी को आशीर्वाद देते हुए धन्यवाद व्यक्त किया। पुलिस की इस मदद को लोगों ने सराहा और यह घटना उनके मानवता और सेवा भाव को दर्शाती है।

कठोरता पुलिस से जुड़ी एक सामान्य छवि मानी जाती है, लेकिन यह छवि सूरत के वराछा पुलिस पर लागू नहीं होती। एक मानसिक दिव्यांग वृद्धा की मदद के लिए पुलिस सामने आई। रिक्षा से उतरने के बाद वृद्धा अचानक सड़क पर गिर पड़ी। रिक्षाचालक ने उन्हें वराछा पुलिस स्टेशन के पास उतार दिया था, लेकिन वृद्धा मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण यह नहीं समझ पाई कि वह कहां हैं। इस दौरान उन्हें चक्कर आ गए और वह सड़क पर गिर पड़ीं। आसपास के लोग दौड़े, लेकिन किसी ने उनकी मदद करने की हिम्मत नहीं दिखाई।

यह घटना उस समय हुई जब पुलिस की PCR वैन मौके पर पहुंची। पुलिस ने वृद्धा से पूछताछ की और उनकी स्थिति समझी, जिसके बाद उन्हें वैन में बैठाकर उनकी मदद की गई।

वृद्धा को पोस्ट ऑफिस जाना था। जब वह सड़क पर गिरीं, तो वराछा पुलिस की PCR वैन ने तुरंत रुककर उनकी मदद की। महिला कांस्टेबल ने एक बेटी की तरह उनसे पूछताछ की, और वृद्धा ने बताया कि उन्हें मोहन की चाल में जाना है। इसके बाद पुलिस ने उन्हें PCR वैन में बैठाकर वहां पहुंचने की व्यवस्था की। वृद्धा के पास पैसे नहीं थे, सिर्फ एक डायरी मिली थी। पुलिस ने उन्हें पोस्ट ऑफिस पहुंचाया, और वृद्धा ने पुलिस का धन्यवाद करते हुए आशीर्वाद दिया।